वर्ष : 16 ❖ अंक : 222 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
शुक्रवार, 25 मार्च 2022

मुकेश सहनी ने कहा, झुकूंगा नहीं 3 | सुप्रीम कोर्ट ने परमबीर सिंह के खिलाफ सभी मामले सीबीआई को हस्तांतरित किए 8

शिक्षा के विकास में शिक्षिकों की भूमिका महत्वपूर्ण : मंत्री लेप्चा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 24 मार्च । राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित छठे राज्य शिक्षक एडूकेटर सम्मेलन 2021-22 का उद्घाटन आज शिक्षा मंत्री कुंगा नीमा लेप्चा ने किया। इसका आयोजन गंगटोक में एससीईआरटी के सभागार में किया गया। मंत्री के साथ अतिरिक्त मुख्य सचिव शिक्षा जीपी उपाध्याय और सलाहकार शिक्षा एमपी सुब्बा, शिक्षा विभाग के निदेशक और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्र और शिक्षक उपस्थित रहे।

निदेशक, एससीईआरटी, डॉ. राबिन छेत्री ने दो दिवसीय सम्मेलन में सभी गणमान्य व्यक्तियों और मेहमानों का स्वागत किया और कहा कि सम्मेलन अद्वितीय है क्योंकि सिक्किम देश का एकमात्र राज्य है जहां शिक्षक एडूकेटरों की बैठक होती है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष का सम्मेलन एससीईआरटी के लिए विशेष है क्योंकि यह पहली बार है कि यह आयोजन एक समर्पित-एससीईआरटी भवन में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने में निरंतर समर्थन देने के लिए राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया।

अपने मुख्य भाषण में अपर मुख्य सचिव शिक्षा जीपी उपाध्याय ने सिक्किम राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन की स्थिति के बारे में जानकारी दी और राज्य में एक प्रभावी और कुशल शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने में एससीईआरटी की विभिन्न उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने एनईपी के मूल तत्वों पर अपने विचार व्यक्त किए, जो पूर्व-प्राथमिक और प्राथमिक स्तर पर एक मजबूत नींव बनाने, प्रशिक्षण के माध्यम से क्षमता बढ़ाने और शिक्षा प्रणाली में डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

मुख्य अतिथि के रूप में सभा को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री कुंगा नीमा लेप्चा ने मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के नेतृत्व में एससीईआरटी भवन के निर्माण के लिए राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया और एससीईआरटी और विकास में शामिल सभी योगदानकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने में सभी शिक्षकों और संबद्ध संगठनों के प्रयास महत्वपूर्ण कारक रहे हैं।

मंत्री लेप्चा ने कहा कि शिक्षकों की बड़ी जिम्मेदारी है कि वे छात्रों को सीखने के लिए अधिक जिम्मेदारी ग्रहण करने और उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने में सक्षम बनाएं ताकि उन्हें सिक्किम के भीतर और बाहर कई तरह के रास्ते तलाशने का अवसर मिल सके। उन्होंने शिक्षण समुदाय से एनईपी 2020 की छत्रछाया में एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण के लिए बच्चों के विकास में प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ काम करना जारी रखने की अपील की।

कार्यक्रम को सलाहकार शिक्षा एमपी सुब्बा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर, एससीईआरटी ने प्राथमिक स्तर के लिए नई पाठ्यपुस्तकों के विकास में शामिल पाठ्यपुस्तक लेखकों को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि के हाथों एक संग्रह और जैविक कृषि पुस्तक का विमोचन भी किया गया। उद्घाटन सत्र का समापन संयुक्त निदेशक, एससीईआरटी, डॉ शांति राम अधिकारी द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

बागडोगरा हवाईअड्डे पर मिले सीएम गोले व पश्चिम बंगाल के राज्यपाल धनखड़

अनुगामिनी नि.सं.

बागडोगरा, 24 मार्च । सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने आज बागडोगरा हवाई अड्डे पर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ और उनकी पत्नी श्रीमती सुदेश धनखड़ से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) कल लखनऊ में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने वहां रवाना हुए हैं। वहीं राज्यपाल धनखड़ आज सालूगाड़ा में बीएसएफ के पासिंग आउट परेड समारोह में शामिल होने के बाद दिल्ली के लिये रवाना हो रहे थे।

इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने सिक्किम राज्य की ओर से पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ को खादा पहनाया और अपनी शुभकामनाएं दीं।

साल 2025 तक देश से टीबी उन्मूलन का लक्ष्य : डॉ. मंजू राई

अनुगामिनी नि.सं.

नामची, 24 मार्च । जिला तपेदिक केंद्र, नामची द्वारा आज जिला अस्पताल के सभागार में विश्व टीबी दिवस मनाया गया। 'इनवेस्ट टू एंड टीबी-सेव लाइफ' नारे के साथ आयोजित इस बैठक का उद्देश्य टीबी के खिलाफ लड़ाई हेतु संसाधनों के निवेश की जरूरत पर केंद्रित था।

कार्यक्रम में नामची नगरपालिका की उपाध्यक्ष श्रीमती सावित्री तमांग मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थीं। उनके अलावा इस अवसर पर जिला के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. डीसी शर्मा, डीएमएस डॉ. एसएन अधिकारी, प्रिंसिपल चीफ कंसलटेंट डॉ. सार्की भूटिया, जिला नोडल सह सर्विलांस अधिकारी डॉ. जुनिता योन्जन, डीआरसीएचओ डॉ. प्रतीक रसाइली (एमओटीसी), डॉ. अंजू राई (डीटीओ), टीबी चैम्पियन एनजीओ के बिर्खा राई एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

अपने वक्तव्य में श्रीमती सावित्री तमांग ने विश्व टीबी दिवस के आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर इस भयंकर संक्रामक बीमारी के बारे में जन जागरुकता काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने एक आंकड़े का हवाला देते हुए कहा कि हर रोज करीब 4,100 लोग इस खतरनाक बीमारी की चपेट में आकर अपना जीवन गंवाते हैं और करीब 28,000 लोग इससे पीड़ित होते हैं।

कार्यक्रम के दौरान डीटीओ डॉ. अंजू राई ने बताया कि 2025 तक देश से टीबी का समूल उन्मूलन सरकार की उच्च प्राथमिकता में शामिल है। उन्होंने कहा, इसके लिए सरकार रेपिड मॉलिक्यूलर टेस्ट एवं अन्य कदमों द्वारा इसकी निःशुल्क चिकित्सा सुनिश्चित करने को प्रतिबद्ध है। वहीं कार्यक्रम में एक क्वीज प्रतियोगिता भी आयोजित हुई जिसके विजेताओं को पुरस्कार वितरण तथा अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किये जाने के बाद इसकी समाप्ति हुई।

बीजेपी मजदूर मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने की श्रम विभाग की संयुक्त आयुक्त से मुलाकात

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 24 मार्च । राज्य सरकार द्वारा पारित नए सिक्किम श्रम (रोजगार एवं सेवा शर्तों का विनियमन, आरईसीएस) अधिनियम, 2021 में विभिन्न कमियों की ओर इशारा करते हुए आज भारतीय जनता पार्टी, मजदूर मोर्चा की टीम ने श्रम विभाग की संयुक्त आयुक्त श्रीमती टीडब्ल्यू शेरपा से मुलाकात की और इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की।

मोर्चा अध्यक्ष किनले ग्याल्छेन भूटिया और कार्यकारी अध्यक्ष हरि छेत्री के नेतृत्व में मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने मांग की है कि श्रम विभाग पुराने अधिनियम में विभिन्न गैर-श्रमिक धाराओं को शामिल करके राज्य के श्रमिकों के हित में नए अधिनियम में संशोधन किया जाना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि नए सिक्किम श्रम (आरईसीएस) अधिनियम, 2021 ने श्रमिकों के हित में कई प्रावधानों को छोड़ दिया है, जिसमें श्रमिकों के लिए मकान किराया भत्ता का प्रावधान भी शामिल है, जो पहले सिक्किम श्रम संरक्षण (संशोधन) नियम, 2018 में था।

इसी प्रकार मजदुरकों मिलने वाली वार्षिक वृद्धि, इनहाउस स्किल डेवलपमेंट और कम्पनी पेरोल व कैजुअल श्रमिकों की पदोन्नति जैसे प्रावधान भी पुराने कानून में थे लेकिन नए कानून से ये गायब हैं। उपरोक्त प्रावधानों को श्रम अधिनियम में शामिल नहीं होने की बात बताते हुए मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने मांग की है कि नए अधिनियम में इन्हें बरकरार रखा जाए।

दूसरी ओर, भाजपा ने विभाग से मांग की है कि वह पुराने सिक्किम वेज कोड के प्रावधानों में संशोधन करे, जो कि श्रम ठेकेदार द्वारा मजदूरी का भुगतान न करने की स्थिति में कंपनी द्वारा वहन किए जाने वाले नए वेतन कोड में संशोधन करे। मोर्चा ने कहा कि 27 जनवरी 2022 संभागीय संयुक्त आयुक्त टी. डब्ल्यू. शेरपा ने मोर्चा की मांग पर मांगों के बारे में सकारात्मक आश्वासन दिया था और आश्वासन दिया था कि गैर-श्रमिक के उन मुद्दों को संशोधन के माध्यम से फिर से शामिल किया जाएगा। उन्होंने यूडीएमएफ को आश्वासन दिया कि पुराने प्रावधान तब तक लागू रहेंगे जब तक कि राज्य सरकार द्वारा तैयार किए गए नियमों और विनियमों को आधिकारिक रूप से लागू नहीं किया जाता है।

बैठक के दौरान भाजपा कार्यकर्ता मोर्चा ने एनएचपीसी स्टेज-4 पर कर्मचारियों को हो रही परिवहन समस्या की भी विभाग से शिकायत की है। यह कहते हुए कि परियोजना पर काम करने वाले कर्मचारियों को काम पर जाने के लिए 16 किमी की दूरी तय करनी पड़ती है, कंपनी पक्ष ने अभी तक कोई सुविधा नहीं दी है और इस संबंध में विभागीय हस्तक्षेप की मांग की है।

नामची जिला कलेक्टर ने किया मल्ली का दौरा

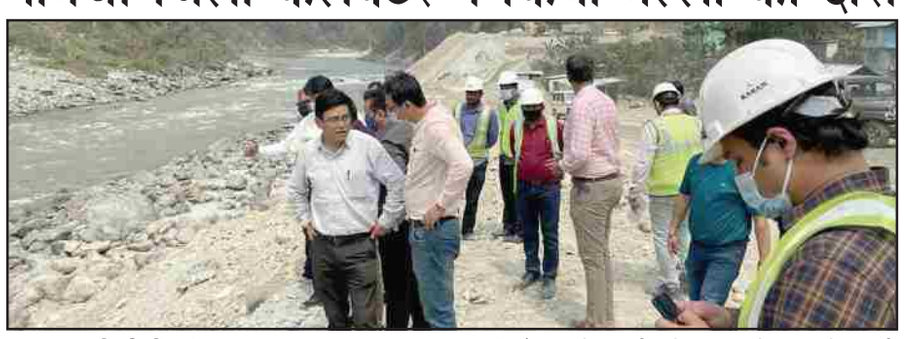

अनुगामिनी नि.सं.

नामची, 24 मार्च । पश्चिम बंगाल-सिक्किम सीमा पर मल्ली में रेलवे की जारी परियोजना से सम्बद्ध कम्पनियों द्वारा तिस्ता नदी के बाएं किनारे (बंगाल) में कचरा फेंके जाने के मामले को लेकर नामची जिला कलेक्टर एम भरणी कुमार ने आज मल्ली का दौरा किया। इस प्रकार कचरा फेंके जाने से मल्ली (सिक्किम साइड) में पड़ने वाले दुष्प्रभावों तथा इससे तिस्ता नदी में बाढ़ आने की आशंका के कारण डीसी ने आज यह दौरा कर क्षेत्र का मुआयना किया है।

इस मुआयना दल में रेलवे के परिवहन विभाग के ओएसडी, रंगपो सर्किल के चीफ जीएम (इरकॉन), रेलवे के न्यूजलपाईगुड़ी के कार्यकारी अभियंता, डीएफओ टी (नामची), एडीएफओ (कालिम्पोंग फॉरेस्ट डिवीजन), बीडीओ सुम्बुक, आपदा प्रबंधन डीपीओ (नामची) के अलावा डीई (एनएच डिवीजन), एडी टूरिज्म (नामची) तथा पुलिस, पंचायत के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी शामिल रहे।

दल के सदस्यों ने मल्ली पीएचसी (सिक्किम साइड), भालूखोला (पश्चिम बंगाल साइड) तथा त्रिवेणी (सिक्किम) का भी दौरा कर परिस्थिति का जायजा लिया। यह स्थान पश्चिम बंगाल के लेबरबोटे के विपरीत अवस्थित है। इस दौरान आगामी मानसून के दिनों में इलाके में होने वाली सम्भावित क्षति के रोकथाम हेतु दीर्घावधि उपायों पर चर्चा की गयी।

पाकिम जिलाधिकारी ने रंगेली सबडिविजन का किया दौरा

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 24 मार्च । पाकिम जिलान्तर्गत रंगेली सब-डिवीजन का आज दौरा कर जिला कलेक्टर ने एसडीएम कार्यालय में एक बैठक की। इस अवसर पर एसडीएम-रंगेली, छुजाचेन रेघु क्षेत्र प्रभारी डम्बर प्रधान एवं उनकी टीम के सदस्य, डिप्टी डायरेक्टर, एलआर एवं डीएमडी-पाकिम, जीएम-एनएचआईडीसीएल एवं उनकी टीम के अलावा शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक एवं उनकी टीम, सम्बंधित पंचायत तथा एनएच-717बी के निर्माण से प्रभावित ग्रामीण मौजूद थे।

इस दौरान डीसी-पाकिम ने एनएचआईडीसीएल द्वारा निर्मित एनएच-717बी से प्रभावित हुए लोगों से बातचीत कर उनकी शिकायतें सुनी। साथ ही उन्होंने आमलोगों के आग्रह अनुसार सिक्किम सरकार के शहरी विकास विभाग द्वारा निर्मित आवास के सम्बंध में एसडीएम-रंगली को प्राथमिकता के आधार पर आवासों एवं ढांचों का पुन:मूल्यांकन करने का निर्देश भी दिया।

वहीं एनएच-717बी के निर्माण कार्य के कारण जल आपूर्ति में आयी बाधा के सम्बंध में डीसी-पाकिम ने वार्ड पंचायतों, एनएचआईडीसीएल के साइट इंजीनियरों तथा देवी प्रसाद शर्मा को शामिल करते हुए बीडीओ-रेगु की अध्यक्षता में तुरंत ही एक समिति गठित करने का निर्देश एसडीएम को दिया।

बैठक के बाद एक फील्ड विजिट भी आयोजित हुई जिसमें उन्होंने छुजाचेन ब्लॉक के उन स्थानों का मुआयना किया जो एनएचआईडीसीएल के कार्य से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। यहां डीसी-पाकिम ने एनएचआईडीसीएल से प्रभावित परिवारों को तुरंत भुगतान तथा प्रभावित जमीन का जीर्णोद्धार करने का निर्देश दिया। वहीं उन्होंने एसडीएम-रंगेली को क्षति का आकलन कर उसे आवश्यक कार्यवाही हेतु आगे भेजने को भी कहा।

उसके बाद डीसी-पाकिम गवर्नमेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल छुजाचेन भी गये और निर्माणाधीन सड़क परियोजना से सम्भावित क्षति का मुआयना किया। वहां उन्होंने एनएचआईडीसीएल जीएम को खेल मैदान का विस्तार करने को कहा। वहां से वे पाम गांव में गति रोड देखने गये जहां ग्रामीणों ने उनसे सड़क की बदहाली तथा अपर्याप्त निकासी व्यवस्था की शिकायत की। इस पर उन्होंने जीएम-गति को पंचायत अध्यक्षों के साथ मिलकर ग्रामीणों की शिकायतें दूर करने का निर्देश दिया।

तत्पश्चात डीसी-पाकिम ने लामाटेन ब्लॉक के कुछ घरों तथा रोलेप ब्रिज का भी मुआयना किया और एनएचआईडीसीएल-जीएम को आवश्यक कदम उठाने को कहा।

'एनर्जी एफीशिएंट एप्लायंसेस लोन योजना' की शुरुआत

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 24 मार्च । पश्चिम जिले के सोरेंग एवं गेजिंग जिलों के ग्रुप 'सी' एवं 'डी' कर्मियों के लिये 'एनर्जी एफीशिएंट एप्लायंसेस लोन योजना' की आज शुरुआत की गई। राज्य के ऊर्जा एवं श्रम मंत्री मिंग्मा नोरबू शेरपा ने स्थानीय ताशीलिंग सचिवालय में इसका उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रिंसपिल चीफ इंजीनियर-1 पारस मणि शर्मा, प्रिंसिपल चीफ इंजीनियर-2 टीटी लेप्चा, प्रिंसिपल चीफ इंजीनियर-3 केके गजमेर, चीफ इंजीनियर जिग्मे वांगचुक भूटिया, सहायक महाप्रबंधक (एसआईएससीओ) बिवेश लामिछाने तथा विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

इस दौरान मंत्री शेरपा ने बताया कि यह सिक्किम के लिये राज्य के ऊर्जा विभाग के सहयोग से ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफीशियंसी (बीईई) की पहल है जिसके तहत ब्याज मुक्त ऋण दिये जायेंगे। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं में बिजली की बचत तथा फाइव स्टार रैंकिंग वाले बिजली के उपकरणों के उपयोग द्वारा बिजली की किफायती उपयोग को बढ़ावा देना है। मंत्री के अनुसार सिस्को बैंक के द्वारा इस योजना का कार्यान्वयन होगा, जिसकी पूरे पश्चिम सिक्किम जिला (गेजिंग, ही-गांव, सोरेंग तथा सोमबारे) में शाखाएं हैं। इसके अंतर्गत योग्य व्यक्ति को एक लाख रुपये तक ब्याज मुक्त ऋण दिए जाएंगे। वहीं, इस अवसर पर सिस्को बैंक के शाखा प्रबंधक रिन्चेन दोरजी कालियोन की इस योजना का नोडल अधिकारी होने तथा ऋण की अवधि 36 महीने होने की जानकारी दी गयी।

अदाणी फाउंडेशन का पोषण वाटिका पर छः दिवसीय प्रशिक्षण, कुपोषण दूर करने पर जोर

गणेश सिंह 'विशाल'

सिंगरौली, 24 मार्च । सरई तहसील अंतर्गत बासी बेरदहा गांव में पोषण संबंधी जागरूकता अभियान के तहत अदाणी फाउंडेशन द्वारा पोषण वाटिका व सब्जी उत्पादन पर छः दिवसीय मुफ्त प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य सीमित संसाधन में घरेलू स्तर पर सालों भर ताजी सब्जियों के उत्पादन को बढ़ावा देना, पोषण सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करना और बाजार से सब्जियों की खरीद पर होने वाले खर्च को कम करना है। पिछले गुरुवार से मंगलवार तक आयोजित इस कार्यक्रम में बासी बेरदहा गांव के कुल 19 महिलाऐं और 12 पुरुषों को उनके खेतों में ले जाकर महिला उद्यमी बहुद्देशीय सहकारी समिति की श्रीमती सावित्री आर्मो और अदाणी स्किल डेवलपमेंट सेण्टर की श्रीमती प्रियंका सिंह के द्वारा उन्हें प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के उपरान्त अदाणी फाउंडेशन के तरफ से सभी 31 लाभार्थी ग्रामीणों के बीच निःशुल्क पोषण वाटिका किट प्रदान किया गया जिसमें उन्नत किस्म के पालक, भिंडी, लोबिया, करेला, लौकी, लाल साग और मिर्च के बीज थे।

अदाणी फाउंडेशन के तरफ से प्रशिक्षकों ने लाभार्थी ग्रामीणों को बताया कि सूक्ष्म पोषक तत्वों की मात्रा सामान्य किस्मों से अधिक होती है, जिससे कि सब्जियों एवं फसलों में पोषक तत्व की मात्रा को सस्ते एवं सरल तरीके से बढ़ाया जा सकता है। प्रशिक्षण के दौरान जलवायु अनुकूल फसल प्रणाली द्वारा पोषण प्रबंधन के साथ-साथ यह भी बताया गया कि कैसे जैविक खेती अपनाकर और जीवाणु खाद का उपयोग पोषण वाटिका में करके पौष्टिक सब्जी उगाया जा सकता है। इस प्रशिक्षण में इस बात का भरोसा दिलाया गया कि आर्थिक रूप से कमजोर होने और सीमित संसाधन होने के बावजूद भी सभी लोग कुपोषण से प्रभावशाली तरीके से लड़ सकते हैं और यह पोषण वाटिका का निर्माण और मौसमी सब्जी के पौधों को लगा कर किया जा सकता है। खास बात यह है कि पोषण वाटिका के लिए जमीन के किसी बड़े हिस्से की जरूरत नहीं है और इसका निर्माण आप अपने घरों के आगे या पीछे के छोटे से हिस्से में भी कर सकते हैं। बागवानी के लिए वाटिका लगाने और सब्जी उगाने जैसे ट्रेनिंग का स्थानीय लोगों ने स्वागत किया है और उनका भी मानना है कि इस तरह से उगाई जाने वाली सब्जियां पूरी तरह से जैविक और स्वास्थ्यवर्धक होंगी जो उन्हें कई रोगों से निजात दिलायेंगी। अदाणी फाउंडेशन वर्तमान में 18 राज्यों में सक्रिय है, जिसमें देश भर के 2250 गाँव और कस्बे शामिल हैं। फाउंडेशन के पास प्रोफेशनल लोगों की टीम है, जो नवाचार, जन भागीदारी और सहयोग की भावना के साथ काम करती है। वार्षिक रूप से 3.2 मिलियन से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित करते हुए अदाणी फाउंडेशन चार प्रमुख क्षेत्रों- शिक्षा, सामुदायिक स्वास्थ्य, सतत आजीविका विकास और बुनियादी ढ़ांचे के विकास, पर ध्यान केंद्रित करने के साथ सामाजिक पूंजी बनाने की दिशा में काम करता है।

राजनाथ ने रक्षा पर्यटन की वकालत की, ऐतिहासिक युद्धक्षेत्रों का किया दौरा

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेन्सी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अधिकारियों को रक्षा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक योजना तैयार करने का निर्देश दिया है और ऐतिहासिक युद्धक्षेत्रों और इसके प्रतिष्ठानों के दौरे के बारे में भी सुझाव मांगे हैं।

रक्षा से संबंधित विषयों से जुड़ने के लिए लोगों, विशेषकर युवाओं की इच्छा की ओर इशारा करते हुए, सिंह ने रक्षा मंत्रालय (एमओडी) के अधिकारियों से रक्षा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक योजना तैयार करने का आग्रह किया।

उन्होंने स्थानों की सुरक्षा और पवित्रता को ध्यान में रखते हुए उद्योग, स्टार्टअप और पूर्व सैनिकों की मदद से लोगों के लिए ऐतिहासिक युद्धक्षेत्रों, युद्ध स्मारकों, युद्ध संग्रहालयों, प्रशिक्षण अकादमियों या अन्य समान रक्षा प्रतिष्ठानों के दौरे के आयोजन की संभावना तलाशने का सुझाव दिया।

सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा बनाई गई एक उपयोगकर्ता के अनुकूल (यूजर फ्रेंडली) वेबसाइट के उद्घाटन के दौरान सिंह ने कहा, 'यह लोगों में देशभक्ति की भावना पैदा करेगा और साथ ही राजस्व भी उत्पन्न करेगा।'

इस वेबसाइट का उद्देश्य बीआरओ द्वारा निर्मित सड़क बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए निर्देशित पर्यटन की ई-बुकिंग की सुविधा प्रदान करना है।

सिंह ने पोर्टल को विकसित करने में बीआरओ के प्रयासों की सराहना की और विश्वास व्यक्त किया कि वेबसाइट दूर-दराज के क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने में एक लंबा सफर तय करेगी।

वेबसाइट में पर्यटन स्थलों और स्थानीय वनस्पतियों और जीवों की फोटो और वीडियो गैलरी शामिल हैं, इसके अलावा बीआरओ के बारे में जानकारी प्रदान करने के अलावा, सीमावर्ती राज्यों में इसके द्वारा किए गए कार्यों की प्रकृति और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

यह सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में काम करने वालों, विशेष रूप से छात्रों और शिक्षाविदों के लिए निर्माण से संबंधित तकनीकी जानकारी को भी होस्ट करता है।

सिंह ने कहा कि आने वाले समय में यह बीआरओ द्वारा निष्पादित परियोजनाओं के इतिहास और महत्व के बारे में जानकारी का सबसे सुलभ और विश्वसनीय स्रोत होगा और आने वाली परियोजनाओं पर भी एक झलक प्रदान करेगा।

उन्होंने इन क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने में अतुलनीय भूमिका निभाने के लिए बीआरओ की सराहना करते हुए कहा कि अटल सुरंग के निर्माण के बाद उस क्षेत्र में पर्यटकों की संख्या छह गुना बढ़ गई।

उन्होंने दूर-दराज के क्षेत्रों में 75 स्थानों पर बीआरओ कैफे की स्थापना का विशेष उल्लेख करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि ये कैफे यात्रियों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करेंगे, दूरस्थ क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगे।

उन्होंने पिछले छह दशकों में 60,000 किलोमीटर से अधिक सड़कों, 850 प्रमुख पुलों, 19 हवाई पट्टियों और चार सुरंगों के निर्माण के लिए बीआरओ की प्रशंसा की, जिसने दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने राष्ट्र के विकास में कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़कें, पुल और सुरंगें सशस्त्र बलों की जरूरतों को पूरा करने के अलावा क्षेत्र के उनके सामाजिक-आर्थिक विकास को सुनिश्चित करने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं।

सिंह ने कहा, 'इससे पहले, सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास हमारे विरोधियों द्वारा इसके दुरुपयोग के डर से कभी भी प्राथमिकता में नहीं था।'

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने इस ऑष्टिकोण को पूरी तरह से बदल दिया है।

मंत्री ने आगे कहा कि किसी भी क्षेत्र का बुनियादी ढांचा विकास राष्ट्र के विकास के साथ-साथ वैश्विक स्थिति से जुड़ा होता है।

सिंह ने कहा, 'बदलते समय के साथ, सभी क्षेत्र विकास के पथ पर आगे बढ़ते हैं। हम सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास को भी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बीआरओ के पूंजीगत बजट में रिकॉर्ड वृद्धि की हालिया घोषणा उस प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।'

उन्होंने इस तथ्य की सराहना करते हुए कहा कि दूर-दराज के क्षेत्रों में अब रिवर्स माइग्रेशन देखने को मिल रहा है, जिसमें रोजगार, शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की तलाश में अपने गांवों को छोड़ने वाले लोग इन क्षेत्रों के विकास को देखकर लौट रहे हैं।

उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के हुरी गांव के बारे में बात की, जिसके निवासी बीआरओ द्वारा जिला मुख्यालय से संपर्क सुनिश्चित करने के बाद वापस अपने क्षेत्र में लौट आए।

उन्होंने कहा, 'अटल सुरंग और उमलिंग ला दर्रा बीआरओ की सबसे बड़ी उपलब्धियां हैं जिन्होंने भारत को दुनिया के नक्शे पर ला खड़ा किया है। बीआरओ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को साकार करने की दिशा में प्रयास कर रहा है।'

रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पर्यटन और यात्रा उद्योग दुनिया में सबसे बड़ी नौकरी और धन सृजनकर्ताओं में से एक है और सरकार ने देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं।

पीएम मोदी का सपना पूरा करना है : योगी

लखनऊ, 24 मार्च (एजेन्सी)। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद योगी आदित्यनाथ ने सभी का आभार जताते हुए भावुक हो गए। भरे गले से कहा कि यूपी के इतिहास में पहली बार कोई मुख्यमंत्री पांच साल तक कार्य करने के बाद दोबारा सत्ता में आ रहा है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन के कारण ही संभव हुआ है।

यूपी को नंबर एक बनाने के पीएम मोदी के सपने को पूरा करना है। पीएम मोदी यूपी के काशी से देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनका संरक्षण हमेशा हमें प्राप्त होता है। यह हमारा सौभाग्य है कि उनका आशीर्वाद हमें लगातार मिल रहा है।

योगी ने कहा कि सत्ता प्राप्त करना बड़ी जिम्मेदारी भी है। अब हमारी प्रतिस्पर्धा स्वयं से होगी। पहले कुशासन से सुशासन की स्पर्धा थी। अब सुशासन को लोगों तक कैसे पहुंचाना है, इस पर काम करना है।

कहा कि यूपी विकास करता है तो देश के विकास में बड़ा योगदान होता है। देश की छठी आबादी यूपी में निवास करती है। यहां के बजट को दो लाख से छह लाख करोड़ किया गया। कोरोना जैसे महामारी के बाद भी यूपी की जीडीपी को दोगुना किया है। अब भी काफी चीजों को आगे बढ़ाने की जरूरत है।

कहा कि लोक कल्याण संकल्प पत्र चुनाव से ठीक पहले जारी हुआ है। युवाओं, माता-बहनों और अन्नदाताओं के लिए बहुत कुछ हासिल करना अभी बाकि है। जो अपेक्षाएं जनता जनार्दन की है, उसे पूरा करने के लिए मिलकर काम करना होगा। यूपी तमाम मामलों में अग्रणी राज्य के रूप में उभर कर सामने आया है।

योगी ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह जब यहां के प्रभारी थे, उन्होंने भाजपा की मजबूत नींव यहां रखी। 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले लोक कल्याण संकल्प के जरिये एक एक योजना को जनता को समर्पित करने के लिए उन्होंने सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय बनाया।

2017 में सांसद होते हुए भी मुझे यूपी का नेतृत्व सौंपा और बताया कि किस तरह से सरकार को चलाना है। अभिभावक जैसा संरक्षण देकर हमें सहयोग देकर सरकार चलाने का मार्गदर्शन दिया। यूपी जैसे घने जनसंख्या वाले राज्य को एक मॉडल बनाने का काम गृहमंत्री और प्रधानमंत्री के नेतृत्व से ही संभव हुआ है। उन्हीं के मार्गदर्शन का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश कई क्षेत्रों में सबसे आगे है। जिन केंद्रीय योजनाओं को लागू करने में यूपी हमेशा पीछे रहता था, आज उनमें सबसे आगे है।

कहा कि पहली बार लोगों को लगा कि गरीब के खाते में पैसा सीधे जा सकता है। पहली बार लोगों को लगा कि दंगा मुक्त प्रदेश बन सकता है। पहली बार लोगों को लगा कि गरीबों को मुफ्त में खाना मिल सकता है। पहले खाद्यान्न घोटाले होते थे, पहली बार कोरोना में भी लोगों को खाद्यान्न मिला है।

प्रधानमंत्री की योजनाओं का ही असर है कि जातिवाद, संकीर्णवाद की जगह लोगों ने विकास को चुना है। मोदी है तो मुमकीन है के भाव को जाग्रत करेत हुए जनता ने हमें चुना है।

बीरभूम हिंसा मामले में अमित शाह से मिले टीएमसी सांसद, राज्यपाल को हटाने की मांग की

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेन्सी)। तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने आज गुरुवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की और पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ को हटाने की मांग की।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में आठ लोगों को जिंदा जलाने की घटना को लेकर राजनीतिक घमासान जारी है। इस मुद्दे की गूंज संसद के भीतर और बाहर सुनाई दे रही है।

लोकसभा में आखिरी कतार में अपनी सीट से उठते हुए भाजपा सांसद सौमित्र खान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार के खिलाफ गुस्से में नारेबाजी करते हुए अध्यक्ष के आसन की ओर बढ़े और कुछ समय के लिए सीटों के कतार के बीच आने-जाने के लिए बने गलियारे में ही बैठ गए। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल आतंक की जमीन में बदल गया है। कांग्रेस सदस्य गौरव गोगोई ने भी लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी को घटनास्थल पर जाने की अनुमति नहीं दिए जाने को लेकर राज्य सरकार को आड़े हाथ लिया। उन्होंने चौधरी को घटना स्थल से 90 किलोमीटर दूर ही रोकने को लोकतंत्र के लिए झटका करार दिया।

टीएमसी नेता सुदीप बंदोपाध्याय ने लोकसभा में शाह के साथ हुई उनकी बातचीत की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि गृहमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि इस मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए और दोषियों को सख्त सजा दी जानी चाहिए।

बैठक के बाद बंदोपाध्याय ने संवाददाताओं से कहा कि उनकी पार्टी ने राज्यपाल को हटाने की मांग की और आरोप लगाया कि वह संवैधानिक प्रावधानों के खिलाफ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, संसदीय प्रणाली उनकी वजह से खतरे में है।

उल्लेखनीय है कि धनखड़ की राज्य में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार के साथ टकराव वाले रिश्ते हैं और नवीनतम घटना से लगता है कि उन्हें हमला करने का मौका मिल गया है। बनर्जी ने भी उनपर पलटवार किया है।

खान के आक्रोश के प्रति लोकसभा में भाजपा के अन्य सदस्यों ने भी सहानुभूति जताई लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम प्रकाश बिरला ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इस तरह सदन की कार्यवाही नहीं चल सकती।

दोनों पक्षों के बीच तर्क-वितर्क के बाद उन्होंने कहा कि सदस्यों को संयम और गरिमा बनाए रखने की जरूरत है।

गौरतलब है कि बीरभूम जिले में तृणमूल कांग्रेस के पंचायत पदाधिकारी की हत्या के बाद मंगलवार तड़के करीब एक दर्जन झोपड़ियों में आग लगा दी गई थी जिसमें दो बच्चों सहित आठ लोगों की जलकर मौत हो गई थी।

यूक्रेन से वापस लौटे छात्र जंतर-मंतर पर जुटे, सरकार के सामने रखी भविष्य से जुड़ी समस्या

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेन्सी)। यूक्रेन से लौटे विद्यार्थियों की आगे की पढ़ाई को लेकर परिजन और खुद छात्र चिंतित हैं। दिल्ली के जंतर मंतर पर पेरेंट्स एसोसिएशन ऑफ युक्रेन एमबीबीएस स्टूडेंट के बैनर तले कई छात्र व परिजनों ने सरकार द्वारा चलाए गए ऑपरेशन गंगा का आभार व्यक्त किया और सरकार से अपने बच्चों की पढ़ाई को लेकर मांग भी उठाई।

युक्रेन से स्वदेश लौटे छात्र अपनी डिग्री को लेकर काफी चिंतित हैं। छात्रों की मांग है कि, यूक्रेन में हालात जब तक सामान्य नहीं हो जाते तब तक सभी विद्यार्थियों की पढ़ाई स्थानीय मेडिकल कालेजों में पूरी करवाई जाए। इसके अलावा यूक्रेन सरकार ने आनलाइन पढ़ाई भी शुरू कर दी है, लेकिन परिजनों की मानें तो बच्चे आनलाइन माध्यम से ठीक से पढ़ाई नहीं कर सकेंगे।

हरियाणा निवासी मेडिकल छात्र प्रदुल शर्मा ने बताया कि, युक्रेन के खारकीव यूनिवर्सिटी का तीसरे वर्ष का छात्र हूं। सरकार का धन्यवाद कि उन्होंने हमें युक्रेन से निकाला। लेकिन अब सरकार से हम गुजारिश करते हैं कि हमारा भविष्य सुरक्षित करें।

हमारी सरकार से मांग है कि हमें यहीं एडजस्ट किया जाए। भारत में बहुत सारे मेडिकल कॉलेज हैं हमारी पढ़ाई यहीं आगे शुरू करवाई जाए।

जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रहे शुभम जो कि टेरनोपिल मेडिकल यूनिवर्सिटी के छात्र है, बताया कि, हमें बताया जा रहा है कि ऑनलाइन कोर्स चल रहा है। चौथे वर्ष का छात्र हूं इस वर्ष हमें अस्पताल जाना होता है, मरीजों को खुद देखना होता है। लेकिन ऑनलाइन में यह सब मुमकिन नहीं है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के एक रूल के मुताबिक, हम छात्र एक देश से दूसरे देश ट्रांसफर ले सकते हैं। लेकिन एक साल पहले ही एनएमसी ने यह रूल बंद कर दिया है।

हार्पिक लॉन्च एआई एन्क्रिप्टेड क्यूआर कोड टेक्नोलॉजी

सिलीगुड़ी, 24 मार्च । लैवेटरी केयर केटेगरी में अग्रणी ब्रांड हार्पिक ने अपने मेन ब्लू कलर को एक बेहतर फॉर्मूलेशन के साथ बदलकर इसे मोटा और बेहतर बना दिया है। 'न्यू' हार्पिक टॉयलेट बोल पर एक समान रूप से मोटा लेप प्रदान करता है, जिससे यह टॉयलेट बोल की सफाई में अधिक कुशल हो जाता है।

रेकिट इंडिया ने सभी नए हार्पिक पैक के साथ बाजार में अन्य नीली बोतलों पर उत्पाद की प्रामाणिकता दिखाने के लिए अपनी तरह की पहली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सक्षम एन्क्रिप्टेड तकनीक लॉन्च की है।

उपभोक्ता उत्पाद के निर्माण और उत्पत्ति को व्यक्तिगत रूप से सत्यापित करने के लिए एन्क्रिप्टेड क्यूआर कोड को स्कैन करने में सक्षम होंगे। नया मोटा हार्पिक टॉयलेट क्लीनर 200 एमएल, 500 एमएल और 1 एल पैक में उपलब्ध है, जिसकी कीमत क्रमशः 40 रुपये, 93 रुपये और 195 रुपये है। क्यूआर कोड-इनेबल्ड चुनिंदा पैक अब भारत के सभी बाजारों में ऑफलाइन और ऑनलाइन स्टोर पर उपलब्ध हैं।

दक्षिण एशिया के क्षेत्रीय विपणन निदेशक - हाइजिन, रेकिट सौरभ जैन ने कहा कि हम अपने पैक पर एआई एन्क्रिप्टेड क्यूआर कोड टेक्नोलॉजी लाने वाले भारत में पहले टॉयलेट क्लीनर ब्रांड हैं। यह तकनीक उपभोक्ताओं को उत्पाद की प्रामाणिकता को सत्यापित करने और उन्हें अपने टॉयलेट को साफ और स्वच्छ रखने के लिए सुझाव और तरीके प्रदान करके बेहतर जुड़ाव बढ़ाने में मदद करती है।

'सेवंथ कोरिया-इंडिया फ्रेंडशिप क्विज कांटेस्ट' के लिए पंजीकरण शुरु

गंगटोक, 24 मार्च । कोरियन कल्चर सेंटर इंडिया द्वारा आयोजित 'सेवंथ कोरिया-इंडिया फ्रेंडशिप क्विज कांटेस्ट' के लिए पंजीकरण अब अखिल भारतीय छात्रों के लिए खुला है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य स्कूली छात्रों के बीच कोरिया और इसके विविध पहलुओं के बारे में जागरूकता फैलाना है, जिससे देश, इसके लोगों और वर्षों से भारत के साथ इसकी रिश्ते के बारे में अधिक समझ पैदा हो सके। आयोजन को तीन भागों में बांटा गया है।

प्रतियोगिता 27 अप्रैल से 29 अप्रैल तक प्रत्येक जोन के लिए अलग-अलग तय की गई तारीखों पर आयोजित की जाएगी। दूसरे दौर के माध्यम से चुने गए प्रत्येक क्षेत्र के विजेताओं की अंतिम आमने-सामने की प्रतियोगिता 12 मई को दिल्ली के आयोजन स्थल पर ग्रैंड फिनाले में होगी। प्रथम विजेता को 2 लाख रुपये, फर्स्ट रनरअप को 1.5 लाख रुपये और सेकेंड रनरअप को 1 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। सभी 10 जोनल चैंपियश 10000 रुपये 2 साल केसीसीआई सदस्यता के साथ सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर जीतेंगे।

भाग लेने के लिए छात्रों को **www.koreaindiaquiz2022.com** पर पंजीकरण करना होगा, 15 अप्रैल पंजीकरण की अंतिम तिथि है।

कोरियन कल्चर सेंटर इंडिया के डायरेक्टर श्री ह्वांग इल-योंग ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि भारतीय छात्र वास्तविक अनुभव के साथ-साथ ज्ञान के माध्यम से कोरिया और कोरियाई संस्कृति के बारे में अधिक जानने में सक्षम होंगे जो इस आयोजन के माध्यम से प्रदान किया जाएगा।'

भारतीय रेल के निजीकरण की कोई योजना नहीं : रेल मंत्री

राजेश अलख

नई दिल्ली, 24 मार्च । रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को कहा कि भारतीय रेल के निजीकरण की कोई योजना नहीं है, यह आश्वासन उनके पूर्ववर्ती ने भी दिया था।

अपने मंत्रालय के कामकाज पर राज्यसभा में बहस का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि यह एक सामाजिक दायित्व वाला जटिल संगठन है और सबसे बड़ी चुनौती इस क्षेत्र में पूंजी निवेश थी, जिसे 2017 में केंद्रीय बजट के साथ रेल बजट के विलय के बाद तेज कर दिया गया था।

वैष्णव ने यह भी कहा कि 2014 तक पूंजी निवेश केवल 45,000 करोड़ रुपये था, जिसे 2017 में दोगुना कर दिया गया था और अब तक कुल 2,45,800 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। यह बताते हुए कि किसी भी राज्य के साथ भेदभाव का कोई सवाल ही नहीं है, उन्होंने उन्होंने कहा कि राज्यों को रेलवे के कुशल संचालन के लिए भूमि अधिग्रहण में केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

नेटवर्क के विस्तार के बारे में उन्होंने कहा कि 2014 से पहले, ट्रैक बिछाने का औसत विस्तार प्रतिवर्ष केवल 1,520 किमी था, लेकिन अब इसे 3,000 किमी प्रतिवर्ष तक लाया गया है।

तृणमूल कांग्रेस के सदस्य डेरेक ओ'ब्रायन की टिप्पणियों पर वैष्णव ने कहा कि उन्होंने विजन दस्तावेज के अनुरूप कार्यों को अंजाम दिया।

मार्गों के विद्युतीकरण के बारे में मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डीजल से इलेक्ट्रिक इंजन की ओर शिफ्ट करने का निर्देश दिया था। '2009 से 2014 तक औसत विद्युतीकरण प्रतिवर्ष 608 किमी था, जिसे 2021 में 3,440 किमी प्रतिवर्ष तक बढ़ाया गया था और अब तक हमने 50,000 किमी से अधिक का विद्युतीकरण किया है।'

नई पहल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने 2024 तक 75 वंदे भारत ट्रेनें चलाने की योजना बनाई है।

'वंदे भारत श्रृंखला की ट्रेनों को हमारे अपने इंजीनियरों द्वारा बनाया गया है और जिन दो ट्रेनों को पहले लॉन्च किया गया था, वे अब तक दो लाख किमी तक की यात्रा कर चुकी हैं .. जल्द ही रोल आउट किया जाएगा।'

अहमदाबाद से मुंबई तक बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के कार्य के संबंध में उन्होंने सदन को बताया कि कार्य तीव्र गति से चल रहा है और अब तक 80 किमी एलिवेटेड कॉरिडोर बन चुके हैं।

अन्य उपलब्धियों पर उन्होंने कहा, 'पीएम मोदी के मार्गदर्शन में हमने किसान रेल की शुरुआत की है और साथ ही छोटे व्यापारियों और एमएसएमई क्षेत्रों के लिए छोटे कंटेनरों को रोल आउट किया है।'

मंत्री ने यह भी स्वीकार किया कि परिचालन राशन को कम कर दिया गया है, लेकिन जल्द ही कार्गो वहन करने की क्षमता बढ़ने के बाद यह बेहतर होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि ट्रेनों के ठहराव को युक्तिसंगत बनाया गया है और कार्गो क्षमता को बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि वे यात्री किराए में सब्सिडी दे सकें। यात्री किराए पर सब्सिडी प्रतिवर्ष 62,000 करोड़ रुपये है।

नए रेलवे जोन और मंडल बनाने की मांग पर उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय आकांक्षाओं पर रेलवे का संचालन किया जाएगा।

केरल की सिल्वरलाइन परियोजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मंत्रालय प्रस्ताव की जांच कर रहा है और जल्द ही फैसला लेगा।

उन्होंने यह भी कहा, 'हमें उन इंजीनियरों की प्रशंसा करनी चाहिए, जिन्होंने स्वदेशी रूप से टक्कर रोधी उपकरण 'कवच' तैयार किया है, जिसका सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है और इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए पूरी दुनिया रेलवे के इंजीनियरों की प्रशंसा कर रही है।'

अरएलजी का 40 लाख नागरिकों तक पहुंचने का कैंपेन

सिलीगुड़ी, 24 मार्च । म्यूनिख हेडक्वार्टर वाले रिवर्स लॉजिस्टिक्स ग्रुप (आरएलजी) का एक हिस्सा, व्यापक रिवर्स लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस के एक प्रमुख वैश्विक सेवा प्रदाता आरएलजी सिस्टम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने टू ग्रीनटीएम ऑन व्हील्स- कंपनी के प्रमुख अभियान, क्लीन क्लीन टू ग्रीनटीएम (सी2जी) का नवीनतम संस्करण लॉन्च करने की घोषणा की। नवीनतम जागरूकता संग्रह कार्यक्रम 110 शहरों और 300 कस्बों को कवर करेगा और देश भर के 40 लाख से अधिक नागरिकों को प्रभावित करेगा।

कई ग्राउंड टीमों के साथ संग्रह वाहन एक सेट बीट प्लान का पालन करेंगे; ग्राउंड टीमें सोशल मीडिया का उपयोग करते हुए 1145 से अधिक प्रचार और जागरूकता गतिविधियों का संचालन करते हुए अंतिम उपयोगकर्ताओं से ई-वेस्ट के संग्रह की सुविधा प्रदान करेंगी।

आरएलजी सिस्टम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े. कई निर्माता/ब्रांड हैं और अभियान ई-वेस्ट के सुरक्षित डिस्पोजल को बढ़ावा देने के लिए उनके साथ सक्रिय रूप से काम करेगा। इस अभियान के तहत सिलीगुड़ी में जो क्षेत्र शामिल हैं, वे हैं घोषपुकुर, कलिम्पोंग, मल्लागुरी, रंगपो।

आरएलजी सिस्टम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की एमडी सुश्री राधिका कालिया ने कहा, 'क्लीन टू ग्रीनटीएम ऑन व्हील्स हितधारकों की पहुंच का विस्तार करके और दैनिक जीवन में उचित ई-वेस्ट के डिस्पोजल और रीसाइक्लिंग तकनीकों पर जोर देकर और बढ़ावा देकर इस मिशन को सफल करना चाहता है।'

राष्ट्रपति कोविंद ने की गुजरात मॉडल की तारीफ, बोले- इसे कहीं भी कर सकते हैं लागू

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेन्सी)। गुजरात के विकास मॉडल की तारीफ करते हुए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि इसे देश के किसी भी हिस्से में लागू किया जा सकता है। गुरुवार को विधानसभा में अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि राज्य के लोगों ने सूबे के विकास में अहम योगदान दिया है। इसके अलावा इसी राज्य से निकले सरदार पटेल और महात्मा गांधी ने पूरे देश को विकास के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रपति ने कहा कि बीते कुछ सालों में जिस तरह से गुजरात मॉडल पर काम हुआ है, उससे ऐसा लगता है कि इसे देश के किसी भी हिस्से और किसी भी राज्य में लागू किया जा सकता है। राज्य की विधानसभा में यह किसी भी राष्ट्रपति का पहला संबोधन था।

आजादी के 75 साल पूरे होने के मौके पर गुजरात विधानसभा में यह आयोजन किया गया था। उन्होंने सदन में कहा, 'साबरमती रिवर फ्रंट शहरी विकास का एक शानदार मॉडल है। साबरमती नदी और उसके किनारे बसे लोगों के बीच का जो रिश्ता है, उसने ही पर्यावरण के अनुकूल विकास को बढ़ाने का काम किया है। देश के अन्य शहरों के लिए भी यह विकास मॉडल अनुकरणीय है, जो नदियों के किनारे बसे हैं।' उन्होंने कहा कि सदन में बैठे लोग अपने क्षेत्र और लोगों के प्रतिनिधि होते ही हैं, लेकिन इससे भी अहम बात यह है कि लोगों ने उन्हें भाग्य का निर्माता समझते हैं।

उन्होंने कहा कि लोगों की आकाक्षाएं और उम्मीदें जनप्रतिनिधियों से जुड़ी होती हैं। जनता की इन अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए गुजरात से अच्छी जगह कोई और नहीं हो सकती। उन्होंने महात्मा गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि बापू ने न सिर्फ आजादी के आंदोलन में योगदान दिया बल्कि नया रास्ता, नई सोच और दुनिया को एक नया दर्शन भी दे दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया में आज जहां भी हिंसा का माहौल दिखता है, वहां महात्मा गांधी का अहिंसा का मंत्र याद आता है।

मुकेश सहनी का मंत्री पद छोड़ने से इनकार, नीतीश कुमार के पाले में डाली गेंद

पटना, 24 मार्च (का.सं.)। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के सभी तीन विधायकों के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने के एक दिन बाद मुकेश सहनी ने मंत्री पद छोड़ने से इनकार कर दिया है। विधानसभा चुनाव में हार के बाद बीजेपी की ओर से विधान परिषद में भेजे गए मंत्री मुकेश सहनी मंत्री पद छोड़ने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि इस पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को फैसला लेना है। यदि वह उन्हें हटाते हैं तो फैसला मंजूर होगा।

वीआईपी बीजेपी और नीतीश कुमार की अगुआई वाली जेडीयू के साथ बिहार सरकार में हिस्सेदार है। पटना में गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए मुकेश सहनी ने कहा कि उनका जीवन संघर्षों से भरा रहा है और वह अंतिम सांस तक लड़ने के लिए तैयार हैं। सहनी ने बीजेपी में शामिल हुए अपने तीनों विधायकों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि बीजेपी अब सदन में सबसे बड़ी पार्टी हो गई है। उन्होंने भाजपा को भी बधाई दी।

सहनी से जब मंत्री पद से इस्तीफे को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, ''मेरा इस्तीफा सीएम नीतीश कुमार का विशेषाधिकार है। इसलिए मैं वही करूंगा जो वह कहेंगे। सीएम नीतीश कुमार को यह फैसला करना है कि सरकार में कौन मंत्री होगा। यदि आप चाहें तो मुझे हटा दें।'' बिहार के बीजेपी नेताओं पर आरोप लगाते हुए वीआईपी प्रमुख ने कहा कि उन्हें तोड़ने की शुरुआत से ही साजिश हो रही थी।

सहनी ने कहा, ''जब भी मैंने आगे बढ़ने की कोशिश की। मैं लोगों को खटकने लगा। यूपी चुनाव लड़कर मैंने कोई गलती नहीं की है। मैं अपने लोगों के लिए अंतिम सांस तक लड़ता रहूंगा, लेकिन संजय जायसवाल ने बहुत झूठ बोला है।'' उन्होंने कहा कि बिहार बीजेपी प्रमुख संजय जायसवा को वीआईपी-बीजेपी गठबंधन की जानकारी नहीं है और उन्होंने बहुत झूठ बोला है।

बिहार में मठ-मंदिर की जमीन बिकने नहीं देंगे, नीतीश सरकार ने दिया आश्वासन

पटना, 24 मार्च (का.सं.)। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री रामसूरत कुमार ने कहा है कि सरकार आश्वस्त करती है कि मठ-मंदिरों की जमीन बेचने नहीं दी जाएगी। हालांकि मठ-मंदिर की जमीन सरकारी भूमि नहीं है। लेकिन इन जमीनों के मालिकाना हक भगवान और सेवादारों, पुजारियों के नाम अभ्युक्ति में दर्ज हो रहे हैं। सेवादार जमीन से होने वाली आय से अपना खर्च, मंदिर का जीर्णोद्धार कर सकते हैं लेकिन उन जमीनों की बिक्री नहीं कर सकते। इन जमीनों को बेदखल नहीं होने दिया जाएगा।

गुरुवार को संजय सरावगी के ध्यानाकर्षण के जवाब में विधानसभा में राजस्व मंत्री ने कहा कि मठ-मंदिर का संचालन बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के माध्यम से होता है। इसके लिए अधिनियम बना हुआ है और यह विधि विभाग के अधीन आता है। प्रश्नकर्ता ने मंत्री के जवाब को भेग (अस्पष्ट) बताया। पूरक प्रश्न के जवाब में मंत्री ने कहा कि 1509 अनिबंधित मठ-मंदिरों के पास 26 हजार एकड़ जमीन है। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि इन जमीनों की बिक्री नहीं हो। खुद को संत विरोधी नहीं बताते हुए मंत्री ने कहा कि यह लोक की भूमि है। पूर्वजों ने मठ-मंदिर के लिए जमीन दी है। लेकिन धार्मिक न्यास पर्षद को ही इस पर निर्णय लेना है कि अनिबंधित मठ-मंदिरों की जमीन का निबंधन कैसे हो।

सभाध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा के हस्तक्षेप पर सदन में मौजूद विधि मंत्री प्रमोद कुमार ने कहा कि अंचलाधिकारी के माध्यम से धार्मिक न्यास पर्षद को मठ-मंदिरों की जमीन के बारे में सूचना मिलेगी, तभी इसका निबंधन हो सकेगा। लेकिन निबंधन से पहले यह जरूरी है कि इन जमीनों की पैमाइश हो और पिलरिंग का काम कर लिया जाए ताकि इसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। प्रश्नकर्ता के असंतुष्ट रहने पर सभाध्यक्ष ने

कहा कि मठ-मंदिरों की जमीन का मामला राजस्व विभाग, विधि विभाग, निबंधन विभाग सहित कई विभागों से जुड़ा है। इसलिए सरकार इस पर गंभीरता से विचार कर निर्णय ले।

मुकेश सहनी ने कहा, झुकूंगा नहीं

बिहार में गठबंधन को लेकर अमित शाह की मेरे साथ हुई थी डील

पटना, 24 मार्च (का.सं.)। वीआईपी के प्रमुख मुकेश सहनी ने कहा है कि मैं किसी के सामने झुकूंगा नहीं। मैं संघर्ष की बदौलत यहां तक पहुंचा हूं। आगे भी संघर्ष करता रहूंगा। अपने निषाद समाज और गरीब-गुरबों के हक और अधिकार के लिए लड़ाई जारी रखूंगा। वीआईपी के तीनों विधायकों के भाजपा में शामिल होने के अगले दिन गुरुवार को उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ये बातें कही।

'सन ऑफ मल्लाह' ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान मेरे और गृह मंत्री अमित शाह के बीच गठबंधन को लेकर डील हुई थी। हमलोगों के बीच क्या बातें हुईं, इसकी जानकारी बिहार के किसी भाजपा नेता को नहीं थी। थोड़ी जानकारी नित्यानंद राय और मंगल पांडेय को थी। इसलिए यहां के नेता जो भी बोल रहे हैं, वह गलत बयानी कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मेरे और गृह मंत्री के बीच गठबंधन को लेकर क्या डील हुई थी, यह सार्वजनिक करूंगा तो यह देश के लिए अच्छा नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि मेरी क्षमता को देखते हुए ही वर्ष 2020 के

विधानसभा चुनाव में मुझे एनडीए के तहत 11 सीटें मिली थीं। मेरे सहयोगी पार्टी को लगा कि यह लड़का जिस तरह से काम कर रहा है, आगे के चुनाव में यह अपने लिये 100 सीटें देने को मजबूर कर सकता है, इसलिए मुझे रोकने की कोशिश की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि 2020 में भाजपा ने मेरे सहयोग से बिहार में 74 सीटें जीती थी। अब मेरे तीन विधायकों को उसने छीन लिया है और बिहार में सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। इसके लिए मैं अपने तीनों विधायकों और भाजपा को शुभकामनाएं देता हूं।

योगी के नाम पर विधायकों की मुहर, सरकार का दावा भी पेश, आज लेंगे शपथ

लखनऊ, 24 मार्च (एजेन्सी)। योगी आदित्यनाथ एक बार फिर भाजपा विधायक दल के नेता चुन लिए गए हैं। भाजपा की तरफ से प्रेक्षक बनाए गए गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में लखनऊ के लोकभवन में हुई भाजपा विधायकों की बैठक में योगी आदित्यनाथ के नाम पर औपचारिक मुहर लग गई। सुरेश खन्ना ने योगी आदित्यनाथ के नाम का प्रस्ताव रखा।

विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद राज्यपाल के पास विधायकों के समर्थन की चिट्ठी के साथ सरकार बनाने का दावा भी पेश कर दिया गया। भाजपा गठबंधन के सभी 273 विधायकों के हस्ताक्षर वाला पत्र राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को सौंपा गया। योगी शुक्रवार को सीएम पद की शपथ लेंगे।

विधायक दल की बैठक से लेकर दावा पेश करने तक गठबंधन सहयोगियों को भी पूरा सम्मान दिखाई दिया। भाजपा नेताओं के साथ ही मंच पर अपना दल एस की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल के पति एमएलसी आशीष पटेल और निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद भी मौजूद रहे। दावा पेश करने भी संजय निषाद और आशीष पटेल भी भाजपा नेताओं के साथ गए। भाजपा ने इस बार अपना दल एस और निषाद पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था।

विधायक दल की बैठक से पहले गुरुवार की दोपहर लखनऊ पहुंचे गृहमंत्री अमित शाह की अगवानी खुद योगी आदित्यनाथ ने की। लोकभवन आने से पहले अमित शाह भाजपा मुख्यालय पहुंचे। यहां भाजपा कोर ग्रुप की बैठक हुई। बैठक में सह प्रेक्षक रघुवर दास, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, राधा मोहन सिंह, सुनील बंसल, स्वतंत्रदेव सिंह, केशव प्रसाद मौर्य भी मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि इस बैठक में कल बनने वाली मंत्रिपरिषद के कुछ नामों को लेकर चर्चा हुई है।

नई सरकार के गठन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। भाजपा नेतृत्व ने मंत्रियों के नाम पर भी मुहर लगा दी है। कल शपथ लेने वाले नए मंत्रियों को सीएम योगी ने सुबह दस बजे चाय पर भी बुलाया है। मुख्यमंत्री के कालीदास मार्ग स्थित आवास पर चाय पार्टी है। यहीं से मंत्री बनने वाले विधायकों के साथ योगी आदित्यनाथ इकाना स्टेडियम में शपथ ग्रहण के लिए रवाना होंगे।

योगी आदित्यनाथ के शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी के साथ ही भाजपा शासित सभी राज्यों के सीएम और डिप्टी सीएम भी मौजूद रहेंगे। बिहार के सीएम नीतीश कुमार भी शपथ ग्रहण में आ रहे हैं। शपथ समारोह में एमपी के सीएम शिवराज सिंह चौहान, हरियाण के सीएम एमएल खट्टर, अरुणाचल के प्रेमा खंडूरी, मणिपुर के बीरेन सिंह, हिमाचल के जय आर ठाकुर, त्रिपुरा के बिप्लव देव, गोव के प्रभारी सीएम प्रमोद सावंत, असम के हेमंत बिस्वा, कर्नाटक के बीएस बोम्मई, गुजरात के भूपेंद्र पटेल, उत्तराखंड के पुष्कर सिंह धामी की मौजूदगी रहेगी।

मिट्टी कटाई के विवाद में वार्ड सदस्य सहित दो को मारी गोली, हालत गंभीर

मोतिहारी, 24 मार्च (एजेन्सी)। पूर्वी चंपारण के पीपराकोठी थाना क्षेत्र के हरपुर चंवर में मिट्टी कटाई को लेकर बुधवार की रात हुए विवाद में वार्ड सदस्य सहित दो युवकों को घायल कर दिया गया। दोनों का इलाज मोतिहारी के दो अलग- अलग नर्सिंग होम में चल रहा है। घायलों में एक युवक हरपुर के वार्ड एक का वार्ड सदस्य धर्मेंद्र पासवान व दूसरा मठबनवारी का ट्रैक्टर चालक नागेंद्र कुमार है। मामले में घायल धर्मेंद्र पासवान की ओर से दो नामजद व एक अज्ञात को आरोपित करते हुए एफआईआर दर्ज करायी गयी है। जिसमें फुलवरिया के सन्नी कुमार व रतनपुर के शिवसागर राय का नाम शामिल है।

बताया कि मिट्टी कटाई में कम व अधिक मात्रा को लेकर विवाद हुआ था। दोनों ने साजिश के तहत वार्ड सदस्य पर गोली चला दी। गोली चालक के गले को छूते हुए वार्ड सदस्य के पेट में लगी। वार्ड सदस्य ने पुलिस को बताया कि रेलवे लाइन के दोहरीकरण के लिए मिट्टी भराई का काम चल रहा है। बाघमारा चंवर से मिट्टी खुदाई कर रेलवे लाइन पर डाल जा रहा है। धर्मेंद्र उसमे जमीन मालिक से बात कर ठेकेदार को मिट्टी दिलाने का कार्य करता है। इसी सिलसिले में वह मिट्टी कटाई कर रहा था। बताया जाता है कि बाघमारा चंवर में ही बीती रात आर्केस्ट्रा का भी आयोजन किया गया था।

थानाध्यक्ष अभिनव कुमार दुबे ने बताया कि मामले में एक के आवेदन पर दो नामजद व एक अज्ञात पर एफआईआर दर्ज की गयी है। वहीं आरोपितों को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR VENUS THURSDAY
Draw No:69 DrawDate on:24/03/22
1st Prize ₹1 Crore/- 80G 33993
Cons. Prize Rs.1000/- 33993 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
08958 26668 44278 50517 65372 74156 76828 84810 88770 91101
3rd Prize ₹450/-
1848 2270 2992 4370 4790 8453 8941 9529 9548 9820
4th Prize ₹250/-
2913 4446 4730 4753 5290 6630 8574 9112 9218 9646
5th Prize ₹120/-
0007 0228 0557 0947 0986 0998 1059 1359 1381 1396
1410 1466 1514 1518 1535 1541 1550 1586 1684 1704
1725 2188 2454 2481 2712 2982 3001 3067 3135 3185
3267 3410 3512 3651 3674 3713 3792 3835 3847 3923
3981 4040 4314 4414 4423 4779 4786 4841 5150 5169
5174 5255 5266 5291 5299 5310 5327 5454 5462 5561
5639 5746 5775 5841 5935 6166 6244 6369 6469 6804
6820 6861 7084 7085 7257 7346 7373 7406 7596 7633
7846 7944 7975 8165 8339 8377 8909 8914 9178 9228
9261 9279 9400 9496 9531 9730 9802 9871 9904 9962
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR PADMA MORNING
Draw No:69 DrawDate on:24/03/22
1st Prize ₹1 Crore/- 84J 79144
Cons. Prize Rs.1000/- 79144 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
08706 10701 23125 27654 30598 34338 43664 45947 60790 73837
3rd Prize ₹450/-
0473 0664 1098 3249 4667 5482 5585 7394 8093 9982
4th Prize ₹250/-
0883 1939 2902 4178 4424 5205 5389 5939 8056 9782
5th Prize ₹120/-
0046 0072 0145 0265 0481 0514 0555 0903 0957 0962
0970 1012 1065 1073 1081 1158 1288 1401 1612 1644
1751 1845 1972 1974 2275 2380 2444 2551 2633 2669
2737 2859 2936 3483 3807 3833 3891 3990 4247 4296
4334 4396 4434 4489 4548 4748 4916 4975 5112 5377
5588 5605 5645 5650 5748 5956 6257 6422 6424 6579
6668 7037 7054 7116 7145 7179 7212 7289 7462 7492
7687 7837 7841 7898 7932 8330 8419 8427 8554 8602
8725 8999 9062 9193 9220 9283 9291 9353 9356 9361
9402 9497 9511 9648 9663 9721 9862 9983 9989 9997
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR FALCON EVENING
Draw No:169 DrawDate on:24/03/22
1st Prize ₹1 Crore/- 61E 74003
Cons. Prize Rs.1000/- 74003 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
00051 00893 02433 27856 37456 42232 45315 79253 79766 85566
3rd Prize ₹450/-
0011 1009 1020 2175 2406 4396 4556 6118 6697 7100
4th Prize ₹250/-
0170 0768 2759 4151 5852 5875 6544 7438 9148 9667
5th Prize ₹120/-
0013 0118 0182 0388 0502 0510 0535 0584 0589 0645
0650 0799 0993 1043 1248 1287 1690 1698 1892 2118
2210 2256 2341 2448 2524 2555 2676 2827 2879 3054
3257 3562 3754 3825 3859 3891 3916 3959 3991 4019
4026 4261 4298 4402 4417 4492 4501 4526 4758 4792
4833 4886 4949 4972 5145 5272 5293 5534 5556 5560
5615 5638 5714 5977 6020 6086 6144 6382 6438 6727
7101 7225 7230 7301 7326 7431 7526 7732 7753 7839
7876 7925 7946 8092 8224 8249 8272 8415 8509 8564
8672 8975 9173 9224 9265 9361 9518 9569 9785 9996
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

SIKKIM STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR 100 SPARROW THURSDAY
Draw No:10 DrawDate on:24/03/22
1st Prize ₹20LAKHS/- 65424
2nd Prize ₹9000/-
1973 2132 3190 3896 4154 5939 6631 6787 6820 6889
3rd Prize ₹5000/-
1518 1903 4484 4712 4767 8068 8308 9234 9394 9522
4th Prize ₹2000/-
0108 0671 0937 2077 3438 4840 5389 7284 8217 9855
5th Prize ₹1000/-
0812 2324 4807 5311 5860 6633 7399 7423 8283 8632
6th Prize ₹500/-
0088 0181 0189 0231 0302 0303 0314 0378 0695 1116
1438 1652 1694 1723 1837 1851 1882 1910 1935 2102
2200 2345 2429 2541 2600 2657 2782 3027 3167 3388
3436 3543 3576 3726 4015 4086 4307 4508 4619 4655
4657 4710 4740 4855 4915 4944 4968 5225 5282 5328
5372 5423 5456 5531 5763 5816 5840 5885 6059 6097
6138 6212 6257 6403 6409 6505 6523 6709 6769 6802
6923 7059 7383 7475 7608 7776 7842 7874 7950 8020
8126 8348 8389 8394 8401 8547 8592 8730 8776 8840
8911 9027 9052 9348 9640 9663 9664 9679 9682 9856
ISSUED BY : THE DIRECTOR, SIKKIM STATE LOTTERIES,
GOVERNMENT OF SIKKIM DEORALI - 737102, SIKKIM.
For Results, please visit : www.sikkimlotteries.com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

SIKKIM STATE LOTTERIES
Draw Time: 04:00 PM
LABHLAXMI EMERALD THURSDAY
Draw No:10 DrawDate on:24/03/22
1st Prize ₹10,000/- 7411
2nd Prize ₹5,000/- 3919
3rd Prize ₹500/- 9827
4th Prize ₹300/- 6864
5th Prize ₹200/- 1231
6th Prize ₹100/-
0024 0026 0060 0102 0108 0117 0160 0168 0172 0202
0216 0252 0257 0258 0292 0341 0399 0414 0440 0483
0509 0541 0586 0603 0604 0608 0614 0627 0639 0642
0643 0671 0714 0786 0793 0814 0872 0897 0900 0909
0911 0927 0981 0984 1022 1122 1162 1165 1181 1228
1243 1247 1270 1274 1277 1287 1322 1344 1398 1409
1426 1439 1453 1454 1476 1487 1493 1515 1518 1532
1590 1597 1689 1714 1722 1739 1805 1824 1844 1861
1877 1924 1980 1982 2006 2031 2081 2108 2159 2201
2243 2258 2274 2287 2330 2345 2366 2477 2498 2502
2517 2549 2558 2654 2660 2709 2722 2757 2765 2811
2821 2994 3003 3044 3114 3156 3208 3214 3216 3219
3277 3296 3302 3400 3433 3452 3472 3490 3494 3514
3535 3550 3576 3577 3627 3670 3689 3744 3751 3757
3794 3804 3818 3821 3833 3844 3845 3860 3862 3876
3971 4019 4059 4091 4166 4183 4286 4307 4370 4410
4419 4426 4442 4450 4452 4474 4481 4519 4525 4551
4563 4640 4641 4642 4662 4679 4706 4741 4833 4840
4856 4865 4909 4933 4937 4984 4989 5000 5020 5040
5046 5078 5095 5160 5187 5239 5252 5302 5321 5330
5343 5347 5358 5407 5422 5429 5466 5488 5496 5499
5532 5549 5569 5586 5596 5609 5645 5671 5699 5772
5779 5805 5822 5871 5879 5886 5890 5903 5909 5917
5918 5960 5991 5997 6043 6058 6084 6100 6112 6113
6117 6146 6186 6229 6264 6267 6310 6332 6365 6400
6407 6426 6490 6492 6502 6528 6532 6565 6593 6619
6664 6669 6693 6712 6786 6821 6826 6873 6877 6878
6952 6957 6977 7006 7012 7018 7089 7094 7097 7102
7151 7171 7198 7221 7230 7265 7305 7437 7516 7519
7548 7562 7630 7639 7643 7655 7665 7683 7689 7690
7712 7736 7770 7819 7835 7842 7863 7864 7871 7915
7917 7942 8008 8041 8079 8084 8121 8130 8206 8232
8246 8247 8260 8266 8303 8325 8334 8337 8348 8377
8395 8404 8449 8559 8579 8582 8627 8641 8726 8815
8819 8850 8864 8870 8895 8931 8949 8970 9017 9020
9034 9073 9097 9124 9133 9161 9170 9209 9219 9258
9259 9306 9315 9357 9398 9479 9499 9501 9508 9519
9525 9548 9578 9633 9635 9666 9682 9685 9686 9701
9772 9785 9820 9843 9845 9855 9900 9926 9947 9980
ISSUED BY : THE DIRECTOR, SIKKIM STATE LOTTERIES,
GOVERNMENT OF SIKKIM DEORALI - 737102, SIKKIM.
For Results, please visit : www.sikkimlotteries.com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

SIKKIM STATE LOTTERIES
Draw Time: 07:00 PM
LABHLAXMI GARNET THURSDAY
Draw No:10 DrawDate on:24/03/22
1st Prize ₹10,000/- 3786
2nd Prize ₹5,000/- 9896
3rd Prize ₹500/- 6684
4th Prize ₹300/- 0740
5th Prize ₹200/- 3176
6th Prize ₹100/-
0020 0273 0274 0339 0410 0422 0469 0477 0484 0489
0491 0520 0626 0633 0679 0698 0739 0757 0769 0779
0794 0803 0809 0817 0847 0872 0895 0924 0932 0953
0963 0970 0991 1060 1090 1114 1117 1146 1173 1174
1236 1244 1267 1270 1273 1285 1303 1309 1329 1334
1350 1411 1431 1449 1523 1550 1568 1614 1619 1625
1698 1742 1799 1850 1874 1875 1911 1927 1955 2035
2073 2096 2097 2110 2120 2140 2165 2202 2223 2243
2280 2285 2290 2291 2293 2326 2357 2421 2494 2501
2518 2539 2547 2558 2605 2637 2639 2648 2660 2677
2690 2702 2784 2865 2872 2914 2947 2972 2985 3010
3037 3055 3068 3085 3136 3167 3172 3230 3243 3244
3281 3284 3301 3327 3333 3338 3369 3391 3394 3401
3460 3470 3480 3543 3551 3578 3596 3644 3652 3669
3744 3757 3773 3843 3859 3913 3996 4001 4064 4081
4102 4174 4176 4193 4239 4240 4253 4277 4280 4281
4338 4377 4444 4464 4469 4486 4516 4533 4535 4545
4547 4552 4556 4572 4611 4621 4622 4627 4628 4629
4635 4647 4658 4688 4708 4729 4740 4748 4789 4795
4826 4831 4858 4892 4895 4927 4955 4956 4973 4991
5064 5081 5154 5196 5208 5216 5283 5351 5354 5356
5418 5441 5447 5451 5480 5556 5557 5563 5649 5696
5722 5842 5886 5899 5929 5983 6004 6007 6008 6019
6022 6037 6047 6051 6067 6085 6155 6232 6291 6310
6331 6351 6395 6401 6424 6451 6488 6491 6505 6551
6558 6628 6638 6661 6705 6723 6724 6727 6746 6766
6807 6846 6869 6924 6929 6934 7003 7010 7067 7072
7135 7156 7175 7202 7229 7253 7254 7266 7316 7319
7323 7337 7341 7342 7369 7378 7400 7404 7442 7444
7482 7528 7543 7548 7562 7563 7659 7662 7669 7690
7702 7714 7770 7791 7829 7841 7887 7907 7942 7958
7988 8008 8028 8074 8087 8106 8156 8203 8229 8305
8328 8346 8354 8434 8483 8520 8543 8570 8581 8627
8677 8691 8700 8702 8712 8756 8798 8811 8826 8860
8879 8929 8961 8974 9003 9030 9039 9048 9063 9086
9091 9107 9124 9138 9140 9144 9234 9236 9271 9282
9285 9305 9355 9425 9426 9428 9485 9489 9503 9516
9518 9527 9569 9587 9593 9608 9620 9628 9658 9734
9808 9821 9887 9893 9900 9929 9966 9967 9976 9984
ISSUED BY : THE DIRECTOR, SIKKIM STATE LOTTERIES,
GOVERNMENT OF SIKKIM DEORALI - 737102, SIKKIM.
For Results, please visit : www.sikkimlotteries.com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

संपादकीय पृष्ठ

समझदारी जरूरी

हिजाब मामले में देश की सर्वोच्च अदालत का रुख प्रथम दृष्टया प्रशंसनीय और सांकेतिक है। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमना के रुख से समाज में समझदारी का अनुपात बढ़ना चाहिए। अदालत का इशारा है कि मामले को ज्यादा सनसनीखेज न बनाया जाए। इस मामले को सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष लाने वाले अधिवक्ता ने परीक्षाओं का हवाला देते हुए जल्दी सुनवाई की मांग की थी, पर अदालत को जल्दी नहीं है। अदालत ने कहा है कि परीक्षाओं का इस मुद्दे से कोई लेना-देना नहीं है। परीक्षा देने संबंधी जो प्रावधान हैं, उनमें हिजाब जैसी कोई बात नहीं है। कर्नाटक में कई लड़कियों ने हिजाब पहनने की जिद के कारण परीक्षा में बैठने से इनकार कर दिया था। कर्नाटक सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि दोबारा परीक्षा नहीं ली जाएगी, जबकि कुछ लड़कियों की मांग है कि परीक्षा फिर से ली जाए, वरना साल बर्बाद हो जाएगा। यहां प्रश्न प्राथमिकता का है, हिजाब या परीक्षा? ऐसे कारणों से अगर परीक्षा दोबारा होने लगे, तो एक नई परिपाटी शुरू हो जाएगी, जिसे गलत मानने वाले भी अच्छी-खासी संख्या में होंगे। फिर भी उन लड़कियों के बारे में शिक्षा के कर्णधारों को स्थानीय स्तर पर कोई फैसला लेना चाहिए, ताकि उनका साल बर्बाद न हो।

वैसे तो कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पहले ही अपना फैसला सुना दिया है कि हिजाब अनिवार्य नहीं है। यह कोई ऐसा हक नहीं है, जो मजहब से हासिल होता हो। आम जनजीवन में हिजाब पर कोई रोक नहीं है, कोई भी पहन सकता है, लेकिन जब बात स्कूल और कॉलेज की आती है, तो अनुशासन और एकरूपता को अहमियत देना अपरिहार्य है। जाहिर है, इस फैसले से असंतुष्ट लोगों ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है और सर्वोच्च न्यायालय ने बिल्कुल वाजिब इशारा किया है कि यह मामला उतने महत्व का नहीं है, जितना उसे बनाया जा रहा है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने न्यायिक और धार्मिक आधारों के अध्ययन के बाद अपने फैसले में हिजाब सहित शैक्षणिक संस्थानों के अंदर सभी तरह के धार्मिक कपड़ों पर प्रतिबंध को सही माना था। अब सर्वोच्च न्यायालय को विचार करना है, क्या हिजाब जरूरी धार्मिक प्रथा है।

वास्तव में, ऐसे मामलों को हम जरूरत से ज्यादा तरजीह देने लगे हैं। कई बार सनसनीखेज और हिंसक भी बना दे रहे हैं। अगर हम इसी मामले को लें, तो उच्च न्यायालय के जिन न्यायाधीशों ने यह फैसला सुनाया था, उन्हें मौत की धमकी दे दी गई। शिकायत मिलने के बाद न्यायमूर्तियों को वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। किसी भी चीज को धर्म के नजरिए से देखने में बुराई नहीं है, पर जब सांप्रदायिकता के नजरिए से देखा जाता है, तब समस्या होती है। हिजाब के पक्ष और विपक्ष, दोनों तरफ सांप्रदायिकता की घुसपैठ है। अदालत इस घुसपैठ से परे जाकर संविधान की रोशनी में ही विचार करेगी। आज समाज जिस ओर बढ़ रहा है, उसमें सांप्रदायिकता की चाशनी में पगे ऐसे मामले खूब सामने आएंगे। अव्वल तो लोगों को ही सावधान रहना होगा। स्कूलों, कॉलेजों में प्राथमिकता पढ़ाई ही रहे। सामान्य शिक्षा किसी धार्मिक कर्मकांड का क्षेत्र नहीं है। स्कूलों-कॉलेजों के बाहर धार्मिक व्यवहार की भी पूरी आजादी है, जिसकी रक्षा संविधान करता है और हमेशा करेगा। अब स्कूलों में भी धर्म के नाम पर किसी परिधान को अगर स्वीकार किया जाना है, तो इसके लिए भी सद्भाव जरूरी है, ताकि हम अप्रिय स्थितियों से बचते हुए राह निकाल सकें।

सहकारिता के रास्ते ग्रामीण भारत में विकास को बढ़ावा

हेमा यादव
निदेशक, वैमनिकोम

वर्ष 1904 में भारत में पहला सहकारिता कानून लागू होने के बाद से भारतीय सहकारी संगठन अब तेज गति के बदलाव के लिए तैयार हैं। सहकारिता के क्षेत्र में नए प्रतिमानों और सहकारी संगठनों के लिए बजटीय आवंटन के साथ अलग से एक सहकारिता मंत्रालय की मौजूदगी के रूप में इसके बदलते स्वरूप के साथ विकास के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र के रूप में भारत के सहकारिता आंदोलन में एक नए सिरे से रुचि बढ़ी है।

अलगअलग समय पर, विशेष रूप से नौवीं पंचवर्षीय योजना (1997-2002) तक, बदलाव के साधन के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले सहकारी मॉडल ने भारत की विकास योजना की सफलता में अहम योगदान दिया है। गरीबी उन्मूलन, खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, सामाजिक एकीकरण और रोजगार सृजन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के क्रम में इसके अंतर्निहित लाभ हुए हैं। सहकारी क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों में से एक है, जिसकी ऋण और गैर- ऋण समितियों के विशाल नेटवर्क के माध्यम से ग्रामीण भारत में व्यापक पहुंच है। भारत की कुल 8.5 लाख सहकारी इकाइयों में से, लगभग 20 प्रतिशत (1.77 लाख इकाइयां) ऋण संबंधी सहकारी समितियां हैं और शेष 80 प्रतिशत गैर-ऋण सहकारी समितियां हैं, जोकि लगभग नब्बे प्रतिशत गांवों को कवर करती हुई मत्स्य, डेयरी, उत्पादक, प्रसंस्करण, उपभोक्ता, औद्योगिक, विपणन, पर्यटन, अस्पताल, आवास, परिवहन, श्रम, खेती, सेवा, पशुधन, बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियां आदि जैसी विविध गतिविधियों में शामिल हैं। सदस्यता के संदर्भ में अगर बात करें, तो लगभग दो सौ नब्बे मिलियन किसान सहकारी समितियों में नामांकित हैं। इनमें से 72 प्रतिशत किसान ऋण संबंधी सहकारी समितियों और 28 प्रतिशत किसान गैर-ऋण संबंधी सहकारी समितियों से जुड़े हैं (एनसीयूआई, 2018)।

प्राथमिक कृषि सहकारी ऋण समितियां (पैक्स) देश की अल्पकालिक सहकारी ऋण संरचना (एसटीसीसीएस) से संबंधित निर्माण खंड हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, 31 मार्च 2018 तक कुल 6,39,342 गांवों को कवर करते हुए 13.2 करोड़ सदस्यों के साथ देश में कुल 95,238 पैक्स उपलब्ध थे। ये समितियां गांवों में किसानों और निम्न-आय वर्ग के लोगों की वित्तीय सहायता करके उनके वित्तीय सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

एक अच्छे नेटवर्क और पैक्स जैसे संस्थानों की जरूरत होने के बावजूद, पैक्स के माध्यम से धीमी गति से सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) का कहना है कि सहकारी समितियां स्वयं सहायता, आत्म-जिम्मेदारी, लोकतंत्र, समानता, हिस्सेदारी और एकजुटता के मूल्यों पर आधारित होती हैं। अपने संस्थापकों की परंपरा में, सहकारी समितियों के सदस्य ईमानदारी, खुलेपन, सामाजिक जिम्मेदारी और दूसरों की देखभाल जैसे नैतिक मूल्यों में विश्वास करते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि सहकारिता के मूल सिद्धांत से समझौता किए जाने की वजह से वित्तीय और गैर-वित्तीय सेवाओं के वितरण में गिरावट आई है। ऋण चुकता करने के क्रम में अपर्याप्त धन संबंधी चूक, पेशेवर मानव संसाधनों की कमी और तकनीक के धीमे समावेश के परिणामस्वरूप प्रबंधन संबंधी सूचना की खराब प्रणाली, पारदर्शिता, आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में शिथिलता, कदाचार की समस्याएं पैदा हुई है जिसके कारण विकास की प्रक्रिया में रुकावट आई है।

एक बहुउद्देशीय समिति के रूप में पैक्स

मेहता समिति (1937) ने बढ़ते संकट और असंतोष को दूर करने के लिए सहकारी ऋण समितियों को बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियों के रूप में पुनर्गठित करने की सिफारिश की थी। इसके अलावा, आजादी से पहले के काल में, सर मणिलाल नानावटी की अध्यक्षता वाली कृषि ऋण संगठन समिति ने सहकारी समितियों को एक व्यावहारिक व्यावसायिक इकाई बनाने के लिए कृषि वित्त में राजकीय सहायता और सभी सहकारी ऋण समितियों को बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियों में बदलने पर जोर दिया था और इस संबंध में सिफारिश की थी।

सहकारिता मंत्रालय ने पैक्स को सिर्फ एक ऋण समिति के बजाय एक ऐसी बहु-धंधी समिति के रूप में प्राथमिकता दी है जोकि ऋण एवं विभिन्न सेवाओं के लिए एकल खिड़की के रूप में कार्य कर सके। पुनरुद्धार की यह प्रक्रिया पैक्स को सेवा संगठनों के रूप में एक नई दिशा देने और कृषि विपणन, बागवानी, खाद्य तेल, उत्तर पूर्व क्षेत्र के लिए जैविक मूल्य श्रृंखला विकास, प्राकृतिक खेती आदि से संबंधित कृषि बजट 2022-23 की विभिन्न योजनाओं के साथ एकीकृत करने का भी आह्वान करती है। खरीद, भंडारण एवं वेयरहाउसिंग, प्रसंस्करण, ग्रामीण एवं कृषि संबंधी लॉजिस्टिक्स के प्रबंधन, बाजार संबंधी परामर्श एवं खुफिया जानकारी आदि जैसी गतिविधियों पर अमल कर पैक्स को बहुउद्देशीय समितियों के रूप में मजबूत किया जाएगा। हालांकि वर्तमान की बाजार एवं प्रौद्योगिकी संचालित अर्थव्यवस्था में सहकारी समितियों के प्रमुख सिद्धांतों के रूप में सदस्यों की आर्थिक भागीदारी और 'सहकारी समितियों के बीच परस्पर सहयोग' की केंद्रीयता बनाए रखने की जरूरत है।

पैक्स का डिजिटलीकरण

पैक्स का डिजिटलीकरण प्रौद्योगिकी को अपनाने और व्यावसायिक दृष्टि से व्यवहारिक बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम है। केन्द्रीय बजट 2022-23 में प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के डिजिटलीकरण के लिए 350 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई है। सहकारिता मंत्रालय द्वारा 63000 पैक्स को कम्प्यूटरीकृत करने की योजना तैयार की गई है। पैक्स का डिजिटलीकरण कृषि संबंधी कई पहलों के कार्यान्वयन में सहायता करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि किसानों को डिजिटल समावेशिता के माध्यम से पारदर्शी तरीके से ऋण, उर्वरक और बीज प्राप्त हों। पैक्स में प्रौद्योगिकी और नवाचार के माध्यम से गुणवत्ता नियंत्रण किया जाना भी बेहद जरूरी है।

सहकारिता के इस डिजिटल ब्रह्मांड में अपेक्षाकृत अधिक प्रभावी और स्थायी रूप से प्रदर्शन करने के लिए पैक्स द्वारा अपनी कार्यप्रणाली में विविधता लाना, नवाचार करना, ज्ञान साझा करने में सहयोग करना और उभरती हुई तकनीक का उपयोग किया जाना बेहद जरूरी है। बिग डेटा, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और ब्लॉकचेन तकनीक जैसे उद्योग 4.0 के विभिन्न पहलू वितरण संबंधी आपूर्ति श्रृंखला में दक्षता और विश्वास का समावेश करते हैं। मसालों, मत्स्यपालन, काजू और केसर, जोकि सहकारी समितियों के सदस्यों की अच्छी भागीदारी के साथ उच्च मूल्य वाले और निर्यात-उन्मुखी उत्पाद हैं, की आपूर्ति श्रृंखला में ब्लॉकचेन तकनीक का समावेश करने का यह सही समय है। पैक्स के सदस्यों के निरंतर प्रशिक्षण और कौशल विकास के माध्यम से डिजिटल साक्षरता को बढ़ाना समय की मांग है। पैक्स के डिजिटलीकरण के क्रम में विभिन्न संस्थानों द्वारा केएपी (ज्ञान, दृष्टिकोण व्यवहार) को अपनाए जाने की जरूरत है जोकि प्रौद्योगिकी को अपनाने के साथ-साथ अपेक्षित परिणाम की दिशा में एक व्यवस्थित दृष्टिकोण का समावेश करेगा।

सहकारी समितियों को किया गया बजट आवंटन विकास और समृद्धि के संचालक के रूप में सहकारी समितियों की ओर ध्यान केन्द्रित किए जाने को दर्शाता है। नवाचारों, उद्यमशीलता और प्रशिक्षण का लाभ उठाते हुए, यह बजटीय आवंटन इस तथ्य को रेखांकित करता है कि कैसे पिरामिड के सबसे निचले हिस्से से विकास को ऊपर की ओर ले जाया जाए और शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, कपड़ा, छोटे एवं मध्यम उद्यमों, ऊर्जा, पर्यावरण जैसे क्षेत्रों के साथ निरंतर जुड़ाव और एकीकरण को आगे बढ़ाया जाए।

चिंतित होने की जरूरत नहीं, पर सतर्क रहना अब भी जरूरी

चंद्रकांत लहारिया

भारत में ओमिक्रॉन वैरिएंट की वजह से आई कोविड-19 की तीसरी लहर खत्म हो गई है। रोजाना आने वाले नए मामले पिछले 22 महीनों में सबसे कम हैं। इस बीच जब हर कोई सामान्य स्थिति के लौटने की उम्मीद कर रहा था, एक गणितीय अध्ययन में कहा गया कि भारत में कोविड की चौथी लहर आगामी जून में शुरू हो सकती है। साथ ही, चीन और एशिया के कुछ देशों में कोविड की नई लहर शुरू हो गई है। मध्य और पश्चिमी यूरोप के देशों में भी नए मामलों में फिर से उछाल है। क्या ये सब भारत के लिए चिंता का कारण हैं?

सबसे पहले आईआईटी, कानपुर के उस गणितीय मॉडल की बात करते हैं, जिसमें यह आशंका जताई गई है कि जून में चौथी लहर आ सकती है। कई महामारी विशेषज्ञ इस शोध-मॉडल की आलोचना कर रहे हैं कि यह बहुत वैज्ञानिक नहीं है। कोविड महामारी की अगली लहर दरअसल कई कारकों पर निर्भर करती है, जैसे कि जनसंख्या की औसत आयु, आबादी में रोग प्रतिरक्षा (या तो प्राकृतिक संक्रमण या फिर टीकाकरण के बाद) का स्तर और आखिरी लहर कब आई थी।

इसके साथ ही, किसी भी मॉडलिंग-आधारित अनुमान के लिए हर स्तर पर महामारी से संबंधित आंकड़े उपलब्ध होने चाहिए, जो कि भारत में उपलब्ध नहीं हैं। इन कारणों से यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि आगामी जून में कोविड की चौथी लहर आने का सांख्यिकीय विश्लेषण वस्तुत: 'एक अनुमान' जैसा है। इसलिए हमें इससे चिंतित होने की कतई आवश्यकता नहीं है। जहां तक चीन, दक्षिण कोरिया, वियतनाम और न्यूजीलैंड जैसे देशों में कोविड की ताजा लहरों का सवाल है, तो यह पूरी तरह से आश्चर्यजनक नहीं है।

दरअसल, इन देशों ने लंबे समय तक कड़े प्रतिबंधों के साथ 'शून्य-कोविड रणनीतियों' का प्रयास किया है। सख्त प्रतिबंधों के चलते इन सब देशों में पिछले दो वर्षों में प्राकृतिक संक्रमण काफी कम हुआ है। लेकिन ओमिक्रॉन कोरोना वायरस के पिछले सभी वैरिएंट्स की तुलना में कहीं अधिक संक्रामक है। हालांकि इन देशों में उच्च टीकाकरण कवरेज है, लेकिन प्राकृतिक संक्रमण के न होने पर टीके की दो खुराक के बाद से सुरक्षा चक्र लगभग नौ से 12 महीनों के बाद कमजोर हो जाता है। इसके अलावा, कोविड के टीके भले ही गंभीर बीमारी से बचाते हैं, लेकिन संक्रमण को रोकने में इनकी भूमिका बहुत ही सीमित होती है।

इस तथ्य की भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि चीन और दूसरे कुछ देशों में हाल के दिनों में कोविड के मामलों में बेशक वृद्धि हुई है, लेकिन अस्पतालों में भर्ती और मृत्यु दर अब भी कम बनी हुई है। मध्य और पश्चिमी यूरोपीय देशों में, जहां ओमिक्रॉन की लहर आ चुकी है, संक्रमण के अचानक बढ़ने के लिए प्रतिबंधों में ढील, आबादी के एक हिस्से का टीका न लगवाना और ओमिक्रॉन के उपवंश बीए-2 के उभरने को कारण माना जा रहा है। किसी भी महामारी के मामले में संदर्भ बहुत मायने रखता है। कोई भी दो देश समान या तुलनीय नहीं हो सकते।

उदाहरण के तौर पर, कोविड का हरेक टीका प्रभावकारिता और सुरक्षा की अवधि के मामले में दूसरों से अलग है। प्राकृतिक संक्रमणों का स्तर भी देशों और महाद्वीपों में भिन्न-भिन्न है। किसी भी टीके से सुरक्षा इस बात पर भी निर्भर करती है कि टीकाकरण प्राकृतिक संक्रमण के बाद हुआ है या पहले। इसके अलावा और भी कई मामलों में भारत की स्थिति चीन, कोरिया या यूरोपीय देशों से बहुत अलग है। भारत की अधिकांश आबादी अब तक आई कोविड की तीन लहरों में संक्रमित हो चुकी है और इसे काफी हद तक प्राकृतिक सुरक्षा प्राप्त है। फिर, लगभग 96 प्रतिशत वयस्क आबादी को कम से कम एक टीका तो लग ही चुका है।

अपने यहां की आबादी के एक हिस्से ने 2021 की दूसरी छमाही में दूसरा टीका लगवाया था। चूंकि, पूर्ण टीकाकरण के बाद कम से कम नौ महीने के लिए सुरक्षा की उम्मीद है, इसलिए अपने यहां लोग गंभीर बीमारी से अब भी सुरक्षित हैं।

एक और महत्वपूर्ण बात यह भी है कि यूरोप में ओमिक्रॉन की प्रारंभिक लहर बीए.1 उपवंश से फैली थी (इसीलिए वे बीए.2 का सामना कर रहे हैं), जबकि भारत में ओमिक्रॉन की लहर का कारण बीए.2 उपवंश था, लिहाजा इसके अब दोबारा फैलने की आशंका नहीं है।

इन सारे तथ्यों को मिलाकर देखें, तो भारत में फिलहाल कोविड की नई लहर की आशंका बहुत ही कम है। अपने यहां 18 से 59 वर्ष के वयस्कों का बड़ा हिस्सा कोविड टीके की बूस्टर डोज लगवाने के इंतजार में है। यहां यह याद रखना होगा कि भारत जैसे देश में, जहां प्राकृतिक संक्रमण हो चुका है, कोविड के दो टीके पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करते हैं। कोविड का खतरा बुजुर्गों को अधिक है। चूंकि उन्हें अन्य लोगों से पहले टीके लगने शुरू हुए थे, इसलिए उन्हें अब टीके की बूस्टर डोज देना उचित ही है।

हमारे यहां कोविड की हालिया लहर विगत जनवरी-फरवरी में आई थी, और उसने भी बूस्टिंग प्रभाव के रूप में काम किया है। इसलिए वयस्क आबादी सुरक्षित है और हम जितना भरोसा टीकों पर कर रहे हैं, दो टीकों के लगने के बाद उतना ही भरोसा 18 से 59 साल के आयुवर्ग को अपने प्रतिरक्षा तंत्र पर रखना चाहिए। समय आने पर इस आयुवर्ग के लोगों को भी बूस्टर डोज लगेगी, लेकिन फिलहाल वयस्क आबादी को बूस्टर डोज की आवश्यकता नहीं है। आश्वस्ति की बात यह है कि इन दिनों देश में मई, 2020 के बाद से संक्रमण के सबसे कम नए मामले आ रहे हैं। यह भारत में 'कोविड के साथ रहने' की योजना बनाने का समय है।

ऐसे में, एक साथ कई कदम उठाने की जरूरत है- यानी केंद्र सरकार को फेस मास्क को हटाने के लिए एक श्रेणीबद्ध रणनीति विकसित करने की आवश्यकता है। पहले कदम के रूप में स्कूली उम्र के सभी बच्चों के लिए मास्क पहनने की अनिवार्यता खत्म की जा सकती है।

दूसरे लोगों के लिए भी खुले स्थानों में मास्क लगाना स्वैच्छिक किया जा सकता है। किसी भी नए प्रकार के वैरिएंट की शीघ्र पहचान सुनिश्चित करने के लिए देश में जीनोमिक अनुक्रमण को और मजबूत करने के लिए अन्य देशों में कोविड प्रसार पर नजर रखने की आवश्यकता है। सावधानी जरूर बरतनी होगी, लेकिन अभी अन्य देशों में बढ़ता संक्रमण भारत के लिए चिंता का कारण नहीं है।

सहजता से आसान बनाया चुनाव

रुद्र प्रताप दुबे

आप उत्तर प्रदेश के किसी भी तबके का चयन करके उसके साथ बात करें, चाहें वो कामगार हों या विद्वान।

इस बातचीत में उत्तर प्रदेश के चुनाव के संदर्भ में एक बात जो सामान्य तौर पर निकल कर आएगी वो ये कि, योगी जी ईमानदार हैं और जब एक विश्लेषक के तौर पर मैं इस बात की समीक्षा करता हूं तो पाता हूं कि ये ईमानदारी सामान्य आर्थिक संसाधनों की ईमानदारी से आगे निकल कर व्यक्तित्व की ईमानदारी पर ठहरती है। उत्तर प्रदेश के चुनाव परिणामों पर आ रहे अनेक विश्लेषणों में एक पक्ष जो छूट सा रहा है, वो योगी आदित्यनाथ की व्यक्ति के तौर पर ईमानदारी और पारदर्शिता भी है।

पिछले कई दशकों में देश के समाचारपत्र घोटालों की खबरों से इतने भरे रहे हैं कि भ्रष्टाचार का अर्थ केवल आर्थिक गड़बड़ी तक सिमट गया और हम यह भूलते गए कि सामाजिक जीवन में व्यक्ति जो असल में है, उसे नहीं दिखाना भी एक बड़ा भ्रष्टाचार है। बल्कि कहें कि पेशेवराना कमी भी है। इन्हीं असमंजस के बीच उत्तर प्रदेश में नये-नये मुख्यमंत्री बने योगी आदित्यनाथ का एक बयान आता है कि मैं हिंदू हूं, इसलिए मैं ईद नहीं मनाता। यह बयान सुनकर लोग चौंक जाते हैं, और कुछ लोग तो इसे विवादास्पद बयान मानते हैं, कुछ ऐसे भी होते हैं जिनको यह बयान भड़काऊ लगता है, लेकिन अब, जब योगी आदित्यनाथ अपने दूसरे कार्यकाल की शपथ लेने जा रहे हैं, तब यह तो कतई स्थापित ही हो चुका है कि भड़काऊ और विवादास्पद की जगह यह बेहद ईमानदार बयान था। उस समय जब उत्तर प्रदेश का मुख्य विपक्षी दल अपने घोषित उम्मीदवारों में एक जाति विशेष के प्रत्याशियों की जाति को हटाते हुए उनके नाम की घोषणा कर रहा था तब फिर से योगी आदित्यनाथ का क्षत्रिय पर बयान आया कि इस जाति में पैदा होना कोई अपराध नहीं।

लोग फिर चौंक उठते हैं कि यह बयान भस्मासुर का काम करेगा, यह तो जाति दंभ है लेकिन कहानी फिर वहीं लौटती है और जनता अपने मतों द्वारा स्थापित करती है कि सही-गलत से अलग यह बेहद ईमानदार बयान था।

कहना होगा कि योगी आदित्यनाथ का हर बयान और कार्य राज्य की राजनीति को पारदर्शी बनाता जा रहा था और समाज के हर वर्ग और भविष्य के हर राजनीतिक फैसले पर गहरा असर कर रहा था। राजनीतिक परिदृश्य में एक ताजा झोके की तरह महसूस हो रहा था। मुसलमान विरोधी स्थापित करने के विपक्ष और उनसे प्रेरित बुद्धिजीवियों के अभियान के बीच योगी आदित्यनाथ की सरकार में 17 फीसद आबादी वाले मुस्लिम समुदाय को सरकारी योजनाओं में 34 फीसद लाभ मिल रहा था। इसे क्या कहा जाए? यह एक शासक की ईमानदारी ही तो थी जो यह कह रहा था कि विकास सभी का, तुष्टीकरण किसी का नहीं। योगी ऐसा कह भर नहीं रहे थे, बल्कि अपने कहे का पालन करते हुए भी साफ-साफ दिख रहे थे। पिता की मृत्यु पर उनके अंतिम दर्शन को न जाने वाले योगी आदित्यनाथ जब बहन के जिक्र मात्र पर भावुक हो जाते हैं, तो उनकी भावनात्मक ईमानदारी लोगों तक पहुंची। जब मुख्यमंत्री निवास पर अपने निजी सामान में एक गठरी मात्र का योगी आदित्यनाथ ने जिक्र किया तो उनकी वो ईमानदारी लोगों तक पहुंची। कह सकते हैं कि योगी आदित्यनाथ ने अपने ईमानदार और खरे अंदाज में उत्तर प्रदेश को चुनावों के लिए भाजपा के लिए सबसे बेहतर स्थिति बना दी। जनता के सामने योगी आदित्यनाथ एक नेता के तौर पर बिल्कुल स्पष्ट और पारदर्शी रूप में खड़े थे, कुछ ढका-छिपा नहीं। जनता ने किसी नेता में इस प्रकार की साफगोई पहली बार देखी और महसूस की। दरअसल, इस प्रकार की ईमानदारी से योगी आदित्यनाथ नेताओं की कतार से बिल्कुल अलग खड़े दिखाई देने लगे।

योगी आदित्यनाथ की इसी सहजता ने चुनाव को भाजपा के लिए आसान बना दिया। जिन योगी आदित्यनाथ ने अपने मुख्यमंत्री पद के पूरे कार्यकाल के दौरान आदर्श स्वरूब बनने के लिए कोई नकली प्रयास नहीं किया, उन्होंने ही चुनाव के दौरान भी 80/20 की साफगोई रखी। योगी आदित्यनाथ की इसी ईमानदारी और पारदर्शिता ने एंटी इंकम्बेंसी के चिथड़े उड़ा दिए। योगी आदित्यनाथ लगातार देश-दुनिया मुझे देख रही है जैसे प्रभावों से दूर रहे, कई बार उनके बयानों की ईमानदारी खुद भाजपा को असहज कर देती थी लेकिन वो सहज बने रहे। सांसद के पहले कार्यकाल से मुख्यमंत्री के दूसरे कार्यकाल तक योगी आदित्यनाथ बिल्कुल नहीं बदले, कोई दिखावा नहीं, पल-पल बदलती विचारधारा नहीं, तेवर में कमी नहीं और अभिनय तो बिल्कुल नहीं। उम्मीद है अपने दूसरे कार्यकाल में भी योगी आदित्यनाथ ऐसे ही सहज बने रहेंगे क्योंकि उनकी यह सहजता ही हिंदी पट्टी की राजनीति को स्पष्ट और पारदर्शी बनाने में सहायक होगी।

चीनी की मिठास में सबसे शुद्ध है मिश्री

ऐसे कई लोग हैं जो शक्कर और इससे बने फूड आइटम्स खाने से परहेज करते हैं, क्योंकि इसे बनाने में कई तरह के केमिकल का इस्तेमाल होता है। लेकिन वहीं मिश्री हमारी सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद है। आयुर्वेदिक डॉ. ने इसके कई फायदे गिनाए हैं।

हम में से बहुत से लोग मिश्री यानी रॉक शुगर को माउथ फ्रेशनर के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। कई भारतीय रेस्टोरेंट में इसे भोजन के बाद सौंफ के साथ परोसा जाता है। मंदिरों में भी मिश्री को प्रसाद के तौर पर चढ़ाया जाता है। मिश्री वो मिठास है जो भगवान श्री कृष्ण को भी माखन के साथ अर्पित की जाती है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि रॉक शुगर के कई स्वास्थ्य लाभ हैं? आज हम आपको मिश्री के कई स्वस्थ्य लाभों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। मिश्री के चमत्कारी गुणों का जिक्र आयुर्वेद विशेषज्ञ दीक्षा भावसार भी कर चुकी हैं।

डॉ.भावसार मानती हैं कि भले ही मिश्री स्वाद में मीठी तो होती ही है, लेकिन इसके सेवन से हमें कई लाभ मिलते हैं, क्योंकि मिश्री में औषधीय गुण भी होते हैं। ये शक्कर के मुकाबले कम केमिकल्स वाली होती है। मिश्री को पारंपरिक तरीके से बनाया जाता और इसलिए इसमें कई तरह के औषधीय गुणों से समृद्ध है।

मिश्री का उत्पादन भी गन्ने के पौधे के जरिए होता है, जो कि स्वभाविक तौर पर एक मीठा खाद्य पदार्थ है। इसे चीनी की सबसे शुद्ध मिठास मानी जाती है, क्योंकि इसमें व्हाइट शुगर की तरह केमिकल का प्रयोग नहीं होता है। डॉक्टर भावसार के अनुसार, यह बिना किसी रसायन के चीनी का सबसे शुद्ध रूप है। षडरस भोजन (संपूर्ण आहार जिसमें 6 अलग-अलग स्वाद हों) वो बहुत जरूरी होता है और इसमें मधुर रस यानी मीठे स्वाद की भी खास अहमियत है, उन्हीं में से एक मिश्री है।

इन लोगों को नहीं खानी चाहिए मिश्री

हालांकि, डॉ.भावसार कुछ लोगों को इसके सेवन न करने की सलाह भी देती हैं। उनका कहना है कि उच्च शर्करा स्तर यानी हाई शुगर लेवल, कोलेस्ट्रॉल, हार्मोनल इशु, ऑटोइम्यून जैसी बीमारियों से सूझ रहे लोगों को मिश्री सहित चीनी के सभी खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए। बकौल डॉक्टर, 'बकौल डॉ.' फ्रूट्स से प्राप्त नेचुरल शुगर सही होती है। इनमेंहिए।' कुछ हद तक शहद और मिश्री भी ली जा सकती है, लेकिन ज्यादा नहीं। वैसे आपको मीठे से बचना चाहिए।

कम मात्रा में करने से मिलते हैं लाभ

डॉ.भावसार ने कहा कि आइडल तौर पर मिश्री का सेवन कम मात्रा में किया जाना चाहिए। मिश्री को प्रकृति में सात्विक माना जाता है और आयुर्वेद इसे औषधि मानता है। आयुर्वेद में हर चीज की तरह, मिश्री का सेवन सावधानी बरतते हुए संयम से करना करने की सलाह दी गई। अगर इसका सेवन औषधि के रूप में किया जाए तो मिश्री आपके शरीर के लिए काफी सेहतमंद हो सकती है।

मिश्री का उपयोग कैसे कर सकते हैं?

आयुर्वेदिक चिकित्सक ने सुझाव दिया कि आप इसका उपयोग कड़वी दवाओं को निगलने के लिए कर सकते हैं। साथ ही नींबू जैसे फ्रेश ड्रिंक में मिलाकर भी इसका सेवन किया जा सकता है। इतना ही नहीं, यह एक एनर्जी बूस्टर है और खांसी और गले की खराश से राहत दिलाने के साथ-साथ प्रजनन क्षमता में सुधार करता है। डॉ.ने रॉक शुगर को ब्रेस्टफीडिंग यानी स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए भी अच्छा बताया है।

मिश्री के आयुर्वेदिक लाभ

- मिश्री को अपने आहार में शामिल करने के आयुर्वेदिक फायदे भी हैं।
- मिश्री आंखों के लिए अच्छी होती है।
- थकान को मिठाने के लिए मिश्री सहायक है। आयुर्वेद में थकान को क्षताक्षिनहारा कहा जाता है।
- आंखों के लिए अच्छी मानी जाती है।
- मिश्री के सेवन से पुरुषों के स्पर्म में सुधार होता है। शुक्रवर्धिका आयुर्वेद में स्पर्म को कहते हैं।
- मिश्री बलकारक यानी ताकत बढ़ाती है।
- मिश्री खाने से रक्तपित्तहर यानी खून का एसिड लेवल दुरुस्त रहता है।
- ये छर्दिघ्न यानी उल्टी और जी मिचलाने की समस्या को दूर करती है।
- मिश्रा वातनाशक यानी वात दोष को खत्म कर देती है।
- सर्दी, खांसी और जुकाम को दूर कर देती है मिश्री।

इन चीजों का सेवन बढ़ा सकता है सोरायसिस का खतरा

सोरायसिस एक स्किन प्रॉब्लम है। यह समस्या ज्यादातर हाथ-पांव, पैरों के तलवों, कोहनी, घुटनों और पीठ पर होती है। इसके होने से त्वचा पर लाल और सफेद रंग के धब्बे पड़ जाते है। इसके अलावा धब्बों वाली जगह पर खुजली भी होने लगती है। सोरायसिस मौसम और कुछ आहारों के कारण भी हो सकती है। आज हम आपको उन्हीं आहारों के बारे में बता रहें है जिनको खाने से सोरायसिस हो सकता है। अगर समय रहते उन खाद्य पदार्थों को खाना बंद न किया जाए तो समस्या बद से बदतर हो सकती है। तो आइए जानते हैं उन आहारों के बारे में।

अल्कोहल - जिन लोगों को सोरायसिस की समस्या होती है। उनको शराब का सेवन बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। रोजाना शराब पीने से रैड सैल समान मात्रा से ज्यादा बनने के कारण यह व्हाइट सैल और टी सेल्स के साथ जा मिलते हैं। इससे शरीर में सोरायसिस होने लगता है। इस बीमारी से बचने के लिए शराब और नशीले पदार्थों का सेवन न करें।

डेयरी प्रॉडक्ट्स - डेयरी प्रॉडक्ट्स जैसे दूध, घी, पनीर, छाछ आदि में प्रोटीन और कैल्शियम की अच्छी मात्रा होती है। इन चीजों और खास कर गाय के दूध का सेवन करने से सोरायसिस की समस्या हो सकती है। गाय के दूध में एरेकिडोनिक एसिड होता है जिससे यह बीमरी होती है।

खट्टे फल - इसके अलावा साइट्रस फूड जैसे - संतरा, नींबू, आदि से भी सोरायसिस होने लगती है। इस बीमारी से ग्रस्त लोगों को इनका सेवन करने से बचना चाहिए।

जंक फूड - जंक फूड में सैचुरेटेड, ट्रांस फैट और शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है। इसको खाने से शरीर को कई सारी बीमारियों का सामना करना पड़ता है। उन्हीं में से एक है सोरायसिस। सोरायसिस की समस्या होने पर भी जंक फूड का सेवन करने से व्यक्ति को दिल की बीमारियां होने का खतरा भी बना रहता है।।

रेड मीट - रेड मीट में पॉलीअनसैचुरेटेड फैट होता है जिसके कारण भी सोरायसिस होता है। रेड मीट के अलावा कुछ सॉस और मसालों को खाने से भी त्वचा संबंधित समस्याएं होने लगती हैं। अगर आपको कुछ खाने के बाद एलर्जी या कोई समस्या होने लगे तो तुंरत डॉक्टरी जांच करवाएं।

ग्लूटेन से भरपुर आहार - गेहूं, जौ और राई में ग्लूटेन प्रोटीन की अधिकता होती है। इसको खाने से कुछ लोगों को सोरायसिस की समस्या हो सकती है। अगर इनके सेवन से आपकी त्वचा में बदलाव होता है तो इनके सेवन से बचें।

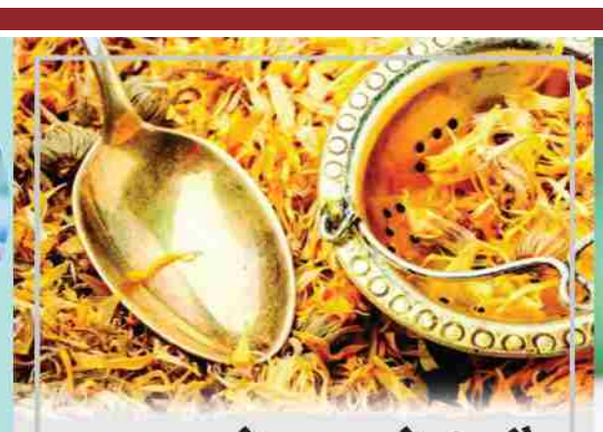

स्वास्थ्य के फायदेमंद है कैलेंडुला की फूल की चाय

कैलेंडुला एक बेहद प्रभावी फूल है। इसकी चाय बनाकर पीने से बुखार, जलन, घाव और त्वचा से जुड़ी समस्याओं में राहत मिलती है। इसमें एंटीसेप्टिक- एंटीफंगल गुण होते हैं, जिसके प्रयोग से स्किन से जुड़ी परेशानियां दूर होती हैं।

कैलेंडुला का फूल दवाओं को बनाने के लिए प्रयोग किया जाता है। इसके फूल त्वचा के लिए भी बहुत अच्छे माने जाते हैं। पर क्या आपने कभी कैलेंडुला की फूल की चाय ट्राय की है। सुनने में भी आपको अजीब लग रहा होगा। लेकिन कैलेंडुला के फूलों से बनी चाय आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद है। यह चाय फूलों को उबलते पानी में डालकर बनाई जाती है। इसका अर्क फूलों और पत्तियों दोनों से मिलता है। बेशक आपको इसका स्वाद थोड़ा कड़वा लगे, लेकिन इसके बावजद कैलेंडुला चाय एक पारंपरिक उपचार है। तो चलिए हम यहां आपको बताते हैं इस फूल के 7 स्वास्थ्य लाभों के बारे में।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर

कैलेंडुला के अर्क में कई शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। इसके अलावा इसमें ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर अल्फा जैसे एंटीइंफ्लेमेट्री कंपाउंड्स भी हैं। इस चाय को पीने से मोटापे के साथ सूजन और टाइप-2 डायबिटीज की शुरूआत को रोकने में मदद मिलती है। एक स्टडी के निष्कर्षों से पता चला कि कैलेंडुला अर्क में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस को काफी हद तक कम कर देता है।

घाव और त्वचा के अल्सर का उपचार करे

तेल, मलहम और टिंचर में पाया जाने वाला कैलेंडुला का अर्क घावों और अल्सर के इलाज के लिए उपयोग किया जाता रहा है। आप चाहें, तो चाय को स्प्रे बोतल के माध्यम से अपनी त्वचा पर लगा सकते हैं। टेस्ट ट्यूब और जानवरों का अध्ययन इस ओर इशारा करता है कि कैलेंडुला अर्क प्रोटीन को रैगुलट कर बहुत जल्दी घाव को भरने का काम करता है। घाव और अल्सर के उपचार को बढ़ावा देने के लिए आप इसे विभिन्न रूपों में अपनी त्वचा पर लगा सकते हैं।

कैंसर कोशिकाओं से लड़े

कैलेंडुला के फूल में मौजूद फ्लेवेनॉइड और ट्राइटरपीन, एंटीऑक्सीडेंट ल्यूकेमिया, मेलेनोमा, कोलन और पैंक्रियाज कैंसर सेल्स से लड़ सकते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, कैलेंडुला अर्क उन प्रोटीनों को एक्टिव करता है, जो कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने में सक्षम हैं।

एंटीफंगल और एंटीमाइक्रोबियल गुण

कैलेंडुला के फूल का अर्क अपने एंटीफंगल और एंटीमाइक्रोबियल गुणों के कारण जाना जाता है। एक टेस्ट ट्यूब अध्ययन के अनुसार, गेंदे के फूलों से निकलने वाला तेल कैंडिडा यीस्ट से लड़ने में प्रभावी साबित हुआ है। आप इसका तेल, मलहम और स्प्रे सीधे अपनी त्वचा पर लगा सकते हैं।

मौखिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

अगर आप किसी भी तरह की ओरल हेल्थ से जूझ रहे हैं, तो एक बार कैलेंडुला की फूल की चाय जरूर पीकर देखिए। यह हर्बल चाय मसूड़ों की सूजन के इलाज में मदद कर सकती हैं। 6 महीने के अध्ययन में पाया गया कि मसूड़ों की सूजन से ग्रसित लोगों को कैलेंडुला माउथवॉश का इस्तेमाल करने पर सूजन में बहुत आराम मिला। गेंदे की फूल की चाय से गरारे करने से गले में खराश से राहत मिलती है।

त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार करे

आजकल कैलेंडुला के फूल का अर्क का इस्तेमाल कॉस्मेटिक जैसे क्रीम और मलहम में भी किया जाने लगा है। अध्ययनों के अनुसार, गेंदे के फूल का अर्क स्किन हाइड्रेशन को बढ़ाने के साथ इसमें लचीलापन भी ला सकता है। कैलेंडुला में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट और एसपीएफ स्किन डैमेज को कम कर त्वचा की बढ़ती उम्र को रोकने में सक्षम हैं।

कैलेंडुला के फूल की चाय के उपयोग

- जिन महिलाओं के पीरियड्स इरैगुलर होते हैं, उनके लिए यह चाय बहुत फायदेमंद है।
- माइक्रोबियल गुणों के चलते यह फेस टोनर के रूप में बढ़िया काम करता है।
- हृदय स्वास्थ्य में सुधार के लिए भी आप गेंदे की फूल की चाय बनाकर पी सकते हैं। दरअसल, इस चाय में मौजूद एंटीइंफ्लेमेट्री और एंटीऑक्सीडेंट गुण हार्ट अटैक की संभावना को कम करते हैं।
- चूहों के एक अध्ययन से पता चला है कि यह चाय व्यायाम के कारण मांसपेशियों में होने वाले दर्द को दूर करने में कारगार है।
- कैलेंडुला की फूल की चाय बनाकर पीने से दांत के दर्द में काफी आराम मिलता है।

कैलेंडुला की फूल की चाय बनाने का तरीका

- इस चाय को बनाने के लिए एक बर्तन में दो गिलास पानी लें और इसे उबलने के लिए रख दें।
- जब पानी उबल जाए, तो इसमें कैलेंडुला की फूल की पंखुडियां डाल दें। ध्यान रखें पंखुड़ियों को पहले सुखा लें।
- अब पानी को कम से कम 5 मिनट तक धीमी आंच पर उबलने दें। इस दौरान पानी ढंका होना चाहिए।
- जब पानी अच्छी तरह उबल जाए, तो कैलेंडुला के फूल की पंखुडियों का रंग पानी में दिखने लगेगा। इसे तब तक उबालें जब तक पानी आधा न रह जाए।
- अब गैस बंद कर दें और एक चम्मच शहद डालकर पीएं। इसे पीने के अलावा आप चाहें तो चकत्ते या घावों पर भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।
- अगर आप इस चाय का तुरंत उपयोग नहीं कर रहे, तो इसे एक सप्ताह तक फ्रिज में स्टोर करके रखा जा सकता है।

फेफड़ों के साथ साथ जिंदगी पर भी असर डालता है धूम्रपान

फेफड़े का कैंसर लोगों में काफी आम है और दुनिया भर में कैंसर से संबंधित मौतों का एक प्रमुख कारण भी यही है। दुनियाभर में कैंसर के जितने भी मामले हैं, उनमें से 13 फीसदी फेफड़े के कैंसर से संबंधित है और कैंसर से संबंधित 19 प्रतिशत मौतों के लिए भी यही जिम्मेदार है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2021 में फेफड़ों का कैंसर, कैंसर से होने वाली मौतों का सबसे आम कारण रहा है।

फेफड़ों के कैंसर के लिए सबसे महत्वपूर्ण जोखिम कारक सिगरेट स्मोकिंग है। हालांकि सिगार या पाइप के इस्तेमाल से भी फेफड़े में कैंसर होने की आशंका बनी रहती है। तंबाकू के धुएं में लगभग 7,000 कंपाउंड्स होते हैं, जिनमें से कई विषैले होते हैं। जो लोग सिगरेट पीते हैं, उनमें फेफड़े का कैंसर होने या इससे मरने की संभावना धूम्रपान न करने वालों की तुलना में 15 से 30 गुना अधिक होती है। अगर आप दिन में एक या दो सिगरेट पीते हैं या कभी-कभार पीते हैं, तो भी इसके होने की संभावना बनी रहती है। हालांकि आप जितना अधिक धुम्रपान करेंगे, खतरे की संभावना भी उतनी ही बनी रहेगी। मैंगलोर में स्थित केएस.हेगड़े में एमडी डीएम कंसल्टेंट मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट विजय शेट्टी ने बताया, ''तंबाकू के सेवन को अक्सर सिगरेट या धूम्रपान करने वाले तंबाकू उत्पादों की तुलना में अधिक सुरक्षित माना जाता है। हालांकि जो लोग तंबाकू चबाते हैं, उनमें मुंह का कैंसर और प्रीकैंसर (असामान्य कोशिकाएं जिनमें कुछ बदलाव हुए हैं और कैंसर बन सकती हैं) के होने की संभावना अधिक रहती है। तंबाकू चबाने से आपको हृदय रोग, मसूड़ों की बीमारी, दांतों की सड़न और दांत खराब होने का भी खतरा होता है।''

बैंगलोर के एएसटीईआर सीएमआई हॉस्पिटल के एमडी डीएम व कंसल्टेंट मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट आदित्य मुरली ने बताया कि तंबाकू से हर साल 80 लाख लोगों की मौत होती है। उन्होंने कहा, ''इस साल किए गए अध्ययनों से पता चलता है कि धूम्रपान न करने वालों की तुलना में धूम्रपान करने वालों में कोविड-19 के साथ अन्य गंभीर बीमारियों के विकसित होने की संभावना अधिक होती है। वायरस मुख्य रूप से फेफड़ों पर हमला करता है और धूम्रपान फेफड़ों को कमजोर करता है, जिससे कोविड और अन्य बीमारियों से लड़ना मुश्किल हो जाता है। धूम्रपान हृदय रोगों, सांस की बीमारियों, कैंसर और मधुमेह के लिए भी एक जोखिम कारक है, जो ऐसे लोगों को कोविड के अधिक जोखिम में डालता है।'' बैंगलोर के एचसीजी हॉस्पिटल के एमडी डीएनबी, मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट श्रीनिवास बीजे ने आईएएनएस लाइफ को बताया कि धूम्रपान से शरीर में कहीं भी कैंसर हो सकता है, जिसमें स्वरयंत्र, मूत्रवाहिनी, मूत्राशय, गर्भाशय ग्रीवा, अन्नप्रणाली, यकृत, फेफड़े, अग्न्याशय, पेट, बृहदान्त्र सहित और भी जगहें शामिल हैं। इससे कई अन्य बीमारियों के होने का खतरा भी बना रहता है। फोर्टिस अस्पताल, मुलुंड और फोर्टिस हीरानंदानी अस्पताल, वाशी में हेड-सर्जिकल ऑन्कोलॉजी अनिल हीरूर चेतावनी देते हुए कहते हैं कि सिगरेट में कई रसायन होते हैं जिनमें कैडमियम जैसे कुछ शामिल हैं, जिनका उपयोग कार की बैटरी या सड़क बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले टार में किया जाता है।

बच्चों की सुनने की क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं हेडफोन, ईयरबड

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि हेडफोन, ईयरबड्स के बढ़ते उपयोग से बच्चों में सुनने में परेशानी होने की संभावना है क्योंकि उनकी श्रवण प्रणाली की परिपक्वता अधूरी होती है। बच्चे, किशोर और युवा वयस्क दुनिया भर में अनुशंसित सार्वजनिक स्वास्थ्य सीमा से अधिक मात्रा में प्रतिदिन कई घंटे संगीत सुन रहे हैं।

अमेरिका स्थित गैर-लाभकारी संस्था द क्विट कोएलिशन के डेनियल फिन्क ने कहा ''रोजमर्रा की जिंदगी में गैर-व्यावसायिक शोर एक्सपोजर मुटठी भर शोर स्रोतों जैसे व्यक्तिगत श्रवण प्रणाली, विशेष रूप से युवा लोगों के लिए; पारगमन शोर, घरेलू उपकरण; बिजली उपकरण; और मनोरंजन (खेल आयोजन, फिल्में, पार्टियां, एनएएससीएआर रेस, आदि) से आता है।''

पांच साल की अवधि में 50 प्रतिशत से अधिक मात्रा में एक घंटे से अधिक व्यक्तिगत ऑडियो सिस्टम का उपयोग करने वाले लोगों के लिए श्रवण स्वास्थ्य जोखिम सबसे ज्यादा है। हाल ही में वॉल स्ट्रीट जर्नल के एक लेख पर विवाद करते हुए दावा किया गया कि 85 डेसिबल बच्चों और किशोरों के लिए सुरक्षित है, लेकिन फिन्क ने कहा कि 85 डेसिबल किसी के लिए भी सुरक्षित नहीं है।

उन्होंने कहा ''लोगों को लगता है कि नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ऑक्यूपेशनल सेफ्टी एंड हेल्थ ने सिफारिश की कि 85 डीबीए शोर जोखिम स्तर से सुरक्षित है।''

उन्होंने कहा, ''लेकिन एक शोर स्तर जो कारखाने के श्रमिकों या भारी उपकरण ऑपरेटरों में सुनवाई हानि को नहीं रोकेगा, लेकिन ये एक छोटे बच्चे के लिए बहुत ज्यादा है।''

विशेषज्ञ ने कहा, ''बच्चे सबसे अधिक जोखिम में हैं क्योंकि उनकी श्रवण प्रणाली की परिपक्वता अधूरी है और सामान्य श्रवण स्वास्थ्य सीखने, समाजीकरण के लिए महत्वपूर्ण है।'' अमेरिका की ध्वनिक सोसायटी की 180वीं बैठक के दौरान, जो 8 से 10 जून के बीच आयोजित हुई में फिन्क ने ऑडियोलॉजिस्ट जान मेयस के साथ व्यक्तिगत ऑडियो सिस्टम शोर उत्सर्जन मानकों और उनके उपयोग पर सार्वजनिक शिक्षा की आवश्यकता के लिए बात की। उनके मुताबिक 'एक आसन्न शोर-प्रेरित को रोकने के लिए' श्रवण हानि महामारी जब आज की युवा पीढ़ी मध्य जीवन तक पहुंचती है।'' 2017 में, रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्रों ने बताया कि लगभग 25 प्रतिशत अमेरिकी वयस्कों, जिनकी उम्र 20-69 है, में शोर-प्रेरित श्रवण हानि होती है। अधिग्रहित श्रवण हानि संचार कठिनाइयों, सामाजिक अलगाव, गिरने और दुर्घटनाओं के बढ़ते जोखिम और बाद के जीवन में डिमेंशिया सहित स्वास्थ्य जटिलताओं से जुड़ी है।

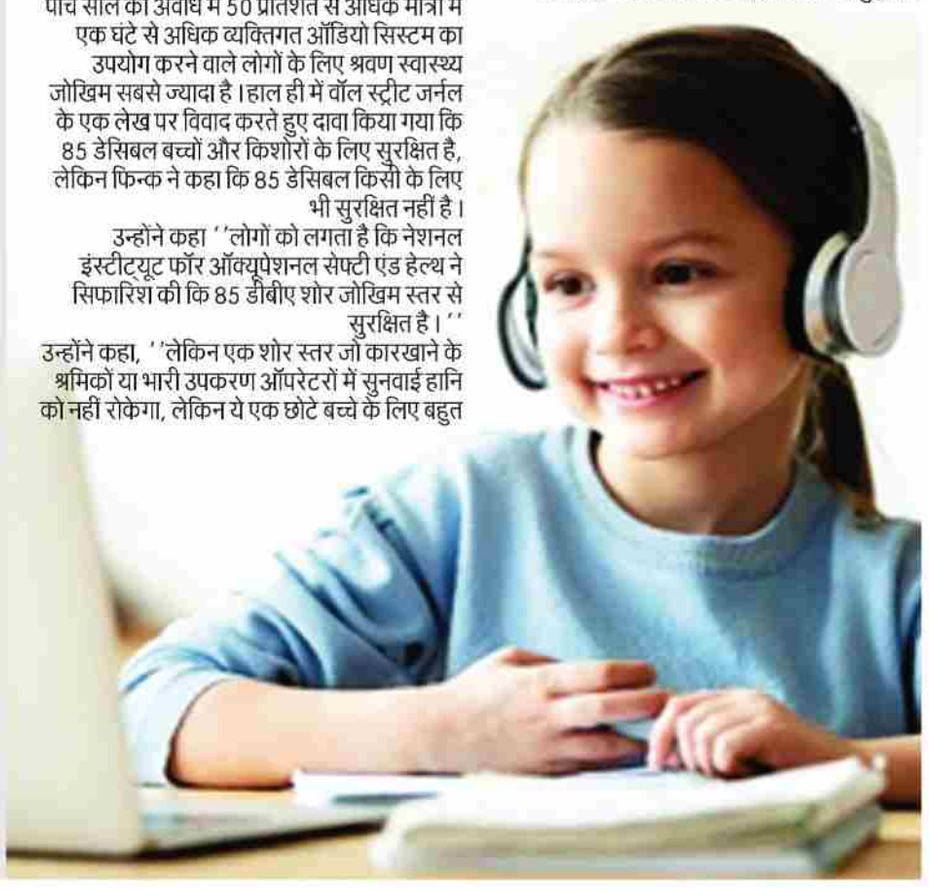

सरकारी कमाई का जरिया पेट्रोल व डीजल

केन्द्र सरकार को तीन साल में आठ लाख करोड़ रुपए का राजस्व मिला

नई दिल्ली। पेट्रोल-डीजल केन्द्र और राज्य सरकार के लिए कमाई का जरिया बन गए हैं। पिछले तीन सालों में केन्द्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल से आठ लाख रुपए का राजस्व अर्जित किया है। एक ओर जहां महंगाई से आम आदमी की आमदनी घटी है तो वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर टैक्स लगाकर खूब कमाई की है।

बीते तीन सालों में प्रति व्यक्ति सालाना आय 1.26 लाख रुपए से घटकर 99155 रुपए सालाना पर आ गई है, वहीं सरकार की एक्साइज ड्यूटी से कमाई 210282 करोड़ रुपए से बढ़कर 371908 करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। केंद्र सरकार एक्साइज ड्यूटी के जरिए टैक्स लेती है। मई 2014 में जब मोदी सरकार आई थी, तब केंद्र सरकार एक लीटर पेट्रोल पर 10.38 रुपए और डीजल पर 4.52 रुपए टैक्स वसूलती थी। ये टैक्स एक्साइज ड्यूटी के रूप में लिया जाता है। मोदी सरकार में 13 बार एक्साइज ड्यूटी बढ़ाई गई है, लेकिन घटी सिर्फ चार बार है। इस समय एक लीटर पेट्रोल पर 27.90 रुपए और डीजल पर 21.80 रुपए एक्साइज ड्यूटी लगती है। केंद्र सरकार पेट्रोल पर तीन गुना और डीजल पर छह

गुना टैक्स बढ़ा चुकी है। वर्तमान में जब उपभोक्ता 100 रुपए का पेट्रोल डलवाते हैं तो इसमें से 52 रुपए टैक्स के रूप में सरकार की जेब में जाता है। ऐसे में अगर सरकार चाहे तो टैक्स में कटौती करके आम आदमी को राहत दे सकती है। अमेरिका समेत प्रमुख देश कच्चे तेल की कीमतों में कमी लाने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के कारण इन प्रयासों में ज्यादा सफलता मिलने की उम्मीद नहीं है। युद्ध खत्म होने के बाद भी कच्चे तेल की कीमतों पर काबू पाने में दो से तीन महीने का समय लगेगा। इसके बाद ही आम लोगों को पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर राहत मिलेगी।

मध्य प्रदेश टैक्स में पांचवें स्थान पर

पेट्रोल पर टैक्स वसूली के मामले में मध्य प्रदेश सरकार देशभर में पांचवें स्थान पर है। प्रदेश सरकार एक लीटर पेट्रोल पर 50.6 रुपए टैक्स वसूल रही है। महाराष्ट्र में अगर आप 100 रुपए का पेट्रोल डलवाते हैं तो इसमें से 52.50 रुपए केंद्र व राज्य सरकार की जेब में जाते हैं। पेट्रोल पर टैक्स वसूली के मामले में महाराष्ट्र पहले स्थान पर हैं। वही इसके बाद आंध्र प्रदेश 52.4 रुपए दूसरे स्थान पर है। वही तेलंगाना 51.6 रुपए तीसरे तो राजस्थान 50.8 रुपए चौथे स्थान पर है। ऐसे ही अगर आप दिल्ली में 100 रुपए का पेट्रोल भरवाते हैं तो इसमें से 45.3 रुपए सरकार की जेब जाते हैं। छत्तीसगढ़ में प्रति लीटर पेट्रोल पर सरकार 48.3 रुपए टैक्स वसूल रही है।

मेघालय में सबसे कम टैक्स

पूर्वोत्तर राज्य मेघालय में पेट्रोल के दाम देशभर में सबसे कम हैं। यहां पर सरकार प्रति लीटर पेट्रोल पर 42.5 रुपए टैक्स वसूलती है। मेघालय राज्य में पेट्रोल के दाम बुधवार को 95.47 रुपए प्रति लीटर थे। पेट्रोल का बेस प्राइज अभी 49 रुपए के करीब है, इस पर केंद्र सरकार 27.90 रुपए एक्साइज ड्यूटी वसूल रही है। इसके बाद राज्य सरकारें इस पर अपने हिसाब से वैट और सेस वसूलती हैं, जिसके बाद इनका दाम बेस प्राइज से तीन गुना तक बढ़ जाता है। ऐसे में बिना टैक्स में राहत दिए पेट्रोल के दाम कम कर पाना संभव नहीं है। मेघालय के अलावा पंजाब में 44.6 रुपए प्रति लीटर पेट्रोल पर टैक्स वसूला जा रहा है, जबकि हिमाचल प्रदेश में 44.4 रुपए व उत्तराखंड में 44.1 रुपए प्रति लीटर टैक्स सरकार वूसल रही है।

9 महीने में ही वसूले 3.31 लाख करोड़ रुपए

मौजूदा वित्त वर्ष 2021-22 के पहले नौ महीनों अप्रैल-दिसंबर में पेट्रोलियम उत्पादों पर सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क के रूप में केंद्र सरकार का अप्रत्यक्ष कर राजस्व लगभग 24 फीसदी बढ़कर 331621.07 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। नीमच के सूचना के अधिकार आरटीआई कार्यकर्ता चंद्रशेखर गौड़ ने बताया कि सूचना के अधिकार कानून के तहत दायर उनकी अर्जी पर केंद्र के दो विभागों ने उन्हें यह जानकारी दी है। गौरतलब है कि यह जानकारी ऐसे वक्त सामने आई है, जब पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि जारी है, वहीं घरेलू रसोई गैस के दाम 50 रुपए प्रति सिलेंडर बढ़ा दिए गए हैं। भारत में अप्रैल से दिसंबर 2021 के बीच पेट्रोलियम पदार्थों के आयात पर 37653.14 करोड़ रुपए का सीमा शुल्क वसूला गया, जबकि देश में इन पदार्थों के विनिर्माण पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क के रूप में 293967.93 करोड़ रुपए सरकारी खजाने में जमा हुए। पिछले वित्त वर्ष 2020-21 में अप्रैल से दिसंबर के बीच पेट्रोलियम उत्पादों पर सीमा शुल्क और केंद्रीय उत्पाद शुल्क की वसूली क्रमशः 25025.33 करोड़ रुपए और 242089.89 करोड़ रुपए के स्तर पर रही थी। यानी दोनों करों की मद में सरकार ने पिछले वित्त वर्ष में इन उत्पादों पर कुल 267115.22 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया था।

एलआईसी अधिनियम में बदलाव की याचिका खारिज

हिस्सेदारी बिक्री का रास्ता साफ

चेन्नई। भारतीय जीवन बीमा निगम में सरकार की हिस्सेदारी बिक्री का रास्ता साफ हो गया है। मद्रास उच्च न्यायालय ने सार्वजनिक बीमा कंपनी एलआईसी में सरकार की हिस्सेदारी बेचने के लिए वित्त विधेयक एवं एलआईसी अधिनियम में किए गए बदलावों को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। मुख्य न्यायाधीश एमएन भंडारी और न्यायमूर्ति डी भरत चक्रवर्ती की पीठ ने एल पोनम्मल की तरफ से दायर एक जनहित याचिका को खारिज करते हुए कहा कि एलआईसी अधिनियम में धन विधेयक के जरिये किए गए बदलाव में किसी भी तरह की असंवैधानिकता नहीं है।

पीठ ने कहा, भारतीय जीवन बीमा निगम का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम आईपीओ लाने के लिए एलआईसी अधिनियम में धन विधेयक के जरिये बदलाव करने में संवैधानिक रूप से कुछ भी गलत नहीं है। एलआईसी की पॉलिसीधारक पोनम्मल ने अपनी याचिका में कहा था कि एलआईसी में सरकारी हिस्सेदारी की बिक्री के लिए अधिनियम में बदलाव करने के लिए धन विधेयक का गलत तरीका अपनाया गया था। उन्होंने कहा था कि संविधान के अनुच्छेद 110 के तहत धन विधेयक लाकर नियमों में बदलाव किए गए जबकि यह धन विधेयक की परिभाषा में ही नहीं आता है।

लोकसभा अध्यक्ष का निर्णय मान्य

पीठ ने अपने निर्णय में कहा कि इस बारे में लाए गए विधेयक को धन विधेयक के रूप में पेश किए जाने की लोकसभा अध्यक्ष की तरफ से दी गई स्वीकृति को चुनौती नहीं दी जा सकती है। इस मामले में लोकसभा अध्यक्ष का निर्णय ही अंतिम रूप से मान्य होगा। केंद्र सरकार एलआईसी में अपनी कुछ हिस्सेदारी बेचने के लिए आईपीओ लाने की तैयारी में है। इसके लिए उसने बाजार नियामक सेबी के समक्ष आईपीओ से संबंधित मसौदा भी पेश किया है। सरकार को इस हिस्सेदारी बिक्री से 60000 करोड़ रुपए से अधिक रकम जुटाने की उम्मीद है।

मार्च में इस्पात कीमतें चौथी बार बढ़ीं

कंपनियों ने की 1500 से 2000 रुपए टन तक बढ़ोतरी

नई दिल्ली। आम जनता पर चौतरफा महंगाई की मार पड़ रही है। अब देश की इस्पात निर्माता कंपनियों ने इस्पात की कीमतों में 1500 से 2000 रुपए प्रति टन तक की बढ़ोतरी कर दी हैं।

मार्च में स्टील के दामों में चौथी बार बढोतरी की गई है। कंपनियों ने कहा है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते वे कोकिंग कोयले के दाम में बेतहाशा उछाल के कारण अपने उत्पाद के दाम बढ़ाने को मजबूर हैं। उनका कहना है कि एक माह में कोयले का भाव 300 डालर प्रति टन से बढ़ कर 700 डालर तक पहुंच गया है। केंद्र के स्वामित्व वाली कंपनी स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड सेल ने एचआरसीहॉट रोल्ड कॉयल और सीआरसी कोल्ड रोल्ड कॉयल के दाम करीब 1500 रुपए प्रति टन तक बढ़ा दिए

हैं। जेसीडब्ल्यू स्टील ने इस्पात की छड़ों के दामों में 1250 रुपए प्रति टन की बढ़ोतरी की है, जिसे बुधवार से लागू किया गया है। नवीन जिंदल के नेतृत्व वाली जिंदल स्टील और पावर ने अपने इस्पात उत्पादों में 1500 रुपए तक की बढ़ोतरी कर दी है। देश के अन्य बड़े इस्पात उद्योग भी इस बीच इस्पात उत्पादों के दाम बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं।

देश में कोकिंग कोयले के दाम 700 डॉलर प्रति टन पर

अधिक लागत खर्च के बाद इस्पात उत्पादों की कीमतों में इजाफा किया जा रहा है। कोकिंग कोयले के दाम 700 डॉलर प्रति टन पर पहुंच गए हैं, जो एक माह पहले 300 डॉलर प्रति टन पर थे। यह कीमत विनिर्माताओं के लिहाज से बेहद अधिक है। एचआरसी का मूल्य 72500-73500 रुपए प्रति टन के बीच और सीआरसी का मूल्य 78500-79000 प्रति टन के बीच चल रहा है। इस्पात के सरिया के भाव 71000-71500 रुपए प्रति टन के बीच हैं।

80,000 रुपए प्रति टन तक पहुंच सकते हैं इस्पात के भाव

इस्पात क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ ने बताया कि आगामी दिनों में इस्पात उत्पादों के दामों बढ़ोतरी हो सकती है और अप्रैल माह तक भाव 80,000 रुपए प्रति टन तक पहुंच सकते हैं।

400 अरब डॉलर का निर्यात लक्ष्य पूरा

नौ दिन पहले लक्ष्य हासिल करने पर प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर दी बधाई

नई दिल्ली। भारत ने अप्रैल- मार्च 2021-22 में 400 अरब डॉलर मूल्य की वाणिज्यिक वस्तुओं के निर्यात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य वर्ष पूरा होने के नौ दिन पहले हासिल कर लिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को एक ट्वीट में इस सफलता के लिए बधाई देते हुए इसमें किसानों, बुनकरों, एमएसएमई, विनिर्माताओं तथा निर्यातकों के योगदान की सराहना की है।श्री मोदी ने ट्वीट में कहा, भारत ने 400 अरब डॉलर मूल्य के वस्तुओं के निर्यात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया था और देश ने पहली बार इस लक्ष्य को हासिल किया है। मैं इस सफलता के लिए अपने किसानों, बुनकरों, एमएसएमई, विनिर्माताओं तथा निर्यातकों को बधाई देता हूं। यह हमारी आत्मनिर्भर भारत यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने इसके साथ ही एक ग्राफिक्स भी पोस्ट किया है जिसमें निर्धारित समय से नौ दिन पहले ही 400 अरब डॉलर का उत्पाद निर्यात लक्ष्य हासिल करने का उल्लेख है। भारत ने पहली बार 400 अरब डॉलर का उत्पाद निर्यात लक्ष्य हासिल किया है।

इन वजहों से हासिल हुआ निर्यात लक्ष्य

मोदी ने निर्यात लक्ष्य हासिल करने की अहम वजह भी बताई। राज्य और जिला स्तर पर क्लोजर इंटेरेक्शन के सरकार के एप्रोच, एक्सपोर्टर्स के साथ क्लोजर इंटेरेक्शन और उनकी शिकायतों पर त्वरित एक्शन तथा एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल व इंडस्ट्री एसोसिएशन्स समेत अन्य संबंधित पक्षों को एक्टिवली इंगेज करना ये तीन फैक्टर है। मासिक आधार पर देखें तो 2021-22 के दौरान भारत ने हर महीने 33 बिलियन डॉलर का

निर्यात किया। इसी तरह रोजाना आधार पर यह आंकड़ा एक बिलियन डॉलर यानी 7600 करोड़ रुपए हो जाता है। घंटे के हिसाब से देखें तो इस दौरान देश ने हर एक घंटे में करीब 350 करोड़ रुपए के सामानों का निर्यामत किया। मौजूदा वित्त वर्ष में अब तक हुए निर्यात का आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 37 फीसदी अधिक है। पिछले वित्त वर्ष में भारत ने कुल 292 बिलियन डॉलर का निर्यात किया था।

बाजार समीक्षा ऊंची कीमतों से सोया डीओसी निर्यात में जोरदार गिरावट

तेल रहित खली का निर्यात 53 फीसदी घटा

इंदौर। घरेलू मार्केट में दाम ऊंचे होने से भारत का डीओसी (तेल रहित खली) का निर्यात बुरीतरह प्रभावित हो रहा है। गत फरवरी माह में इसका निर्यात में 53 फीसदी भारी गिरावट के साथ 1.87 लाख टन ही हो सका, जबकि गत वर्ष फरवरी 2021 में 3.97 लाख टन हुआ था।

उक्त आंकडे खाद्य तेल उद्योग के शीर्ष संगठन साल्वेंट एक्सट्रेक्टर्स एसो. (एसईए) ने जारी करते हुए बताया चालू वित्त वर्ष 2021-22 में अप्रैल से फरवरी तक 11 महीनों में डीओसी निर्यात में 37 फीसदी गिरकर 21.31 लाख टन का ही हुआ है, जबकि पिछले वित्तवर्ष की इस अवधि में निर्यात 33.66 लाख टन का दर्ज हुआ था। एसईए के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 के 11 महीनों के दौरान सबसे ज्यादा कमी सोया डीओसी के निर्यात में आई है। घरेलू बाजार में कीमतें सोयाबीन के दाम ज्यादा ऊंचे थे, जबकि विश्व बाजार में भारत की तुलना में कीमतें काफी कम थी। समीक्षा अवधि के दौरान 11 महीनों में सोया डीओसी का निर्यात घटकर 3.49 लाख टन ही रह गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में 14.18 लाख टन सोया डीओसी का निर्यात हुआ था। सरसों डीओसी का निर्यात 11 महीनों में घटकर 7.72 लाख टन रह गया, जो गत वर्ष इस अवधि में 10.28 लाख टन था। जनवरी के मुकाबले फरवरी में भारतीय बंदरगाह पर जहां सोया और अरंडी डीओसी की कीमतों में तेजी देखी गई, वहीं सरसों डीओसी के दाम कम हुए हैं। पोर्ट पर पर सोया डीओसी जनवरी में 760 डॉलर थी, जो फरवरी में बढ़कर 776 डॉलर प्रति टन हो गई। अरंडी डीओसी जनवरी के159 से बढ़क फरवरी में 170 डॉलर पहुंच गई। जबकि सरसों डीओसी के दाम जनवरी के 337 से गिरकर फरवरी में 314 डॉलर प्रति टन रह गए। फिर भी इसका निर्यात गत वर्ष से कम रहा।

सरसों आवक 11.25 लाख बोरी सोया तेल की कीमतों पर दबाव

इंदौर। होली बाद तिलहनों की आवक में बढ़त देखने को मिल रही है। बुधवार को देश में सरसों की आवक बढ़कर 11.25 लाख बोरी हुई। राजस्थान में 6.25 लाख यूपी में 1.50 लाख एमपी में 1.00 लाख गुजरात में 75 हजार बोरी सरसों आई। सोयाबीन की आवक देशभर में 1.75 लाख बोरी बताई गई। जयपुर में कंडीशन आधारित सरसों के दाम बढजकर 7125-7150 रु थे। प्लांट सौदो में सोयाबीन के दाम महाकाली 7625, प्रकाश 7625, कृति 7550, रूचि 7575, प्रेस्टीज 7625, एमएस नीमच 7750, धानुका 7720, अंबिका 7600, अवि 7600, लक्ष्मी 7500, अमृत 7725 रु क्विंटल थे। खाद्य तेल प्रति 10 किलो सोया रिफाइंड 1525-1530, साल्वेंट 1490-1495, मुंबई रिफाइंड 1505, मूंगफली तेल इंदौर 1580-1600, मुंबई 1590, गुजरात 1550, पामतेल मुंबई 1475, इंदौर 1565, कपास्या तेल 1480 रु। मलेशिया पाम तेल वायदा 1750 डॉलर था। केएलसीई 228 रिंगिट ऊंची बंद हुई। **कपास्या खली में तेजीः** प्रति 60 किलो इंदौर 2250, देवास-उज्जैन 2250-2255, खंडवा बुरहानपुर 2225-2230 व अकोला खली 3350 रु क्विंटल पर मजबूत थी।

बासमती धान की कीमतों में तेजी का रुख

नई दिल्ली। बासमती धान में इन दिनों राइस मिलों की जोरदार मांग देखी जा रही है। इसके चलते उत्तर भारत के राज्यों की मंडियों में बुधवार को भी धान की कीमतों में लगातार तेजी का रुख देखने को मिल रहा है। व्यापारियों के अनुसार फिलहाल बाससती चावल में निर्यातकों के साथ साथ स्टॉकवालों की मांग बेहतर चल रही है, जबकि बासमती धान का उत्पादन इस साल अनुमान काफी कम हुआ है। लिहाजा, उत्पादक क्षेत्रों की मंडियों में धान की दैनिक आवक पहले की तुलना में काफी मात्रा में कम रह गई है। ईरान के साथ ही अन्य खाड़ी देशों की आयात मांग अभी बासमती चावल में बनी रहेगी, इससे इनके भाव में और भी तेजी संभावित है।

ब्राजील द्वारा एथेनॉल, चीनी पर ड्यूटी कटौती का नहीं होगा ज्यादा असर

साओ पाउलो। ब्राजील ने हाल ही में एथेनॉल, चीनी आयात पर टैक्स कटौती की घोषणा की है, लेकिन विश्लेषकों का मानना है कि इस फैसले का अल्पावधि में व्यापार सौदों पर बहुत कम प्रभाव होगा, क्योंकि व्यापार की तुलना में यह फैसला राजनीति से अधिक प्रेरित है। राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ने कहा कि एथेनॉल आयात पर टैक्स को 18 से घटाकर शून्य करने से पंप पर पेट्रोल की कीमतें 0.20 तमंस प्रति लीटर तक कम होगी। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि इस कदम का अभी बहुत कम प्रभाव पड़ा है। आयातित एथेनॉल पर कोई टैक्स नहीं लगाने के बावजूद आयातित एथेनॉल ब्राजील के स्थानीय एथेनॉल की तुलना में 8 से 10 फीसदी अधिक महंगा होगा। वहीं चीनी आयात पर टैक्स कमी का कोई प्रभाव नहीं होना चाहिए, क्योंकि ब्राजील में इसका उत्पादन ज्यादा होता है।

चना घटकर 5000, तुवरदाल मंदी

इंदौर। चने की बंपर फसल के चलते समर्थन मूल्य पर सरकारी खरीद के बावजूद भाव में मंदी का रुख रहा। बुधवार को चना कांटा घटकर 5000 रु रह गया। मसूर भी 6450 खुलने के बाद 6400 रह गई। तुवर दाल 100 रु मंदी रही। डॉलर चने की आवक करीब 2000 बोरी हुई, जो मंडी में 8000-8700, हल्का 7200-7800, निर्यात सौदो में 44-46 काउंट 9200, 58-60 काउंट 8500, चना कांटा 5000-5025, विशाल 4800-4850, मसूर 6400, उड़द 6500-7000, एवरेज 5500-6000, मूंग 7350-7400, एवरेज 6500-7000, तुवर 5500-6200, महाराष्ट 6350-6450, कर्नाटक 6650 रु थी।

दाल-चावल के भाव

दालें-चना दाल 6000-6500, तुवर दाल 8200-8800, नई 9100-9800, मसूर दाल 7950-8250, मूंग दाल 8700-9100, मोगर 9200-9500, उडद दाल 8800-8200, मोगर 9100-9500 रु। **चावल-** दयालदास अजित कुमार- बासमती (921) 10000-11000, तिबार 8000-8500, दुबार 7000-7500, मिनी 6500-7000, मोगरा 3500-6000, सैला 6500-9000, कालीमूंछ डिनरकिंग 7500, राजभोग 6500, दूबराज 3500-4000, परमल 2500-2650 हंसा सैला 2450-2650 हंसा सफेद 2350-2450 रु था।

गेहूं आवक में वृद्धि, मक्का दबी

इंदौर। होली त्योहार के बाद गेहूं की आवकों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। शीलसप्तमी बाद आवक का दबाव और बढ़ने की आशा है।इंदौर की दोनों मंडियों में 22-23 हजार बोरी गेहूं आवक हुआ। मंडी में मिल क्वालिटी गेहूं 2050-2100, पूर्णा 2300-2350, लोकवन 2350-2400, मालवराज 2100-2150, शरबती 3300-3500 रु। मिल डिलीवरी सौदो में गेहूं इंदौर देवास पीथमपुर 2170-2200, पुणे 2450-2500, मुंबई 2450, बैंग्लुरू 2700, नगर 2425 औरंगाबाद 2425, कोपरगांव 2400, कांडला 2390-2400, मुबंई पोर्ट 2330-2350 रु था। मक्का के ऊंचे दाम पर खरीदी का समर्थन कम होने एवं पोल्ट्री तथा स्टॉर्च उद्योग की दाम घटाकर लेवाली से कीमतों पर दबाव देखा गया। महाराष्ट्र में नई मक्का आने से धुलिया के दाम घटकरमंडी में वहां की लेवाली कम है। दाम मंडी में 2250-2275, डिलीवरी सौदो में इंदौर 2400, घाटाबिल्लोद 2340, मंदसौर 2375, पंजाब हरियाणा तरफ 2500-2550 रु क्विंटल के व्यापार होना बताया गया।

अंचल की मंडी

नीमचः गेहूं, मूंगफली, धनिया व मैथी में तेजी, मसूर, अलसी, पोस्ता, सरसों मंदे

नीमच (शंकर बंसल)। मंडी में बुधवार को सामान्य कामकाज के बीच गेहूं, मूंगफली, मैथी व धनिये के दाम मजबूत थे, जबकि मसूर, अलसी व पोस्ता मंदे रहे। भाव- गेहूं 2050-2520, जौं 2250-2420, मक्का 2150-2280, सोयाबीन 7300-7690, रायडा 6100-6581, अलसी 6700-7350, तारामीरा 4800-5300, मूंगफली 4800-5900, पीली सरसों 6000-6850, चना 3900-4775, डॉलर चना 3500-8600, मसूर 5500-6170, उड़द 3500-6000, मैथी 4900-6500, धनिया 8500-13500, अजवाइन 11000-14600, इसबगोल 10500-12600, कलौंजी 14500-16300, तिल्ली 8000-10200, असगंध 11000-28000, पोस्ता 100000-156000, लहसुन 1100-6400, प्याज 500-1350 रु क्विंटल। **खंडवा-** मंडी में गेहूं 1926-2210, सोयाबीन 4300-7600, तुवर 4100-6221, चना 4301-4679, मक्का 1850-2020 रु क्विंटल। **महू-** सोयाबीन 5500-7990, चना 4394-4800, बिटकी चना 4000-4999, डॉलर चना 6900-7891, गेहूं 1840-2400, मक्का 1961, मसूर 5350, तुवर 5201, राई 5450 रु। **मंदसौर-** मंडी में बुधवार को 49407 बोरी आवक के बीच भाव- मक्का 2150-2350, उड़द 3751-4801, सोयाबीन 6500-7701, गेहूं 1890-2312, चना 4101-4790, मसूर 5401-6191, धनिया 7500-9551, लहसुन 701-5081, मैथी 4701-5550, अलसी 5800-7350, सरसों 6100-6581, तारामीरा 4530-5121, इसबगोल 10600-11653, प्याज 250-1392, कलौंजी 12052-15700, तुलसी बीज 19500, डॉलर चना 6450, तिल्ली 6999, मटर 4800, असालिया 6290-7299 रु क्विंटल ।

जावरा : मैथी आवक 8000 बोरी, दाम 150 रुपए बढ़े

जावरा (निलेश धारीवाल)। मंडी में बुधवार को मैथी की आवक बढ़कर करीब 8000 बोरी दर्ज हुई। नीमच के तीन व्यापारियों की खरीदी के चलते मैथी के दाम 100-150 रुपए क्विंटल मजबूत रहे। अन्य जिंसों के दाम लगभग सामान्य थे। भाव- गेहूं 2200-2500, कलौंजी प्रीमियम 16000-17000, एवरेज बेस्ट 14000-16000, एवरेज 13000-14000, मैथी मीडियम 5800-6400, बारीक पीला 5200-5500, एवरेज 4800-5100, मोटा दाना 7000-8000, डॉलर चना 7000-8300, सोयाबीन 6500-7600, देसी चना 4250-4750, सरसों पीली 6800-7000, रायडा 6200-6500, अलसी 7300-7800, तुलसी बीज 24000-26000, असालिया 6600-6900 रु क्विंटल थे। **बड़नगर-** मंडी में 23299 बोरी आवक हुई, भाव- गेहूं लोकवन 1915-2220, गेहूं पूर्णा 1950-2336, चना इटालियन 3800-5290, चना विशाल 3790-4711, डॉलर चना 5300-8552, बटला 3150-6490, मसूर 4331-5851, मैथी 5300, लहसुन 700-3000, सोयाबीन 4118-7752, रायडा 5500 रु क्विंटल। **धार-** मंडी में भाव-सोयाबीन 3520-7950, गेहूं मालव शक्ति 1934-2462, लोकवन 1710-2720, डॉलर चना 4800-8275, चना देसी 4300-4882, बटला 3800-4690, मक्का 2142 रु क्विंटल। **बुरहानपुर-** मंडी में गेहूं 1064-1960, मक्का 1740-2400, सोयाबीन 00, चना 4275-4500, तुवर 5250-5897, काबली चना 5891-6251 रु क्विंटल था। **धामनोद-** कपास 6025-9205, गेहूं 2001-2225, मक्का 1955-2134, सोयाबीन 6870, चना 4450-5170, डॉलर 7900-8500 रु।

चालू वित्त वर्ष में मात्रा के लिहाज से 20 फीसदी तक बढ़ेगा सीमेंट उद्योग

नई दिल्ली। सीमेंट उद्योग चालू वित्त वर्ष 2021-22 में मात्रा के आधार पर 18 से 20 फीसदी बढ़ सकता है ,और यह महामारी-पूर्व के स्तर पर पहुंच सकता है। एक रिपोर्ट में इक्रा ने बुधवार को कहा कच्चे माल की कीमतों में उछाल से वित्त वर्ष में परिचालन मार्जिन घटेगा।

सीमेंट उद्योग मात्रा के आधार पर वित्त वर्ष 2021-22 में 18 से 20 प्रतिशत बढ़कर 35.5 करोड़ टन पहुंच सकता है, जो कोविड पूर्व के स्तर से 6 फीसदी अधिक है। ग्रामीण क्षेत्रों में घरों की मजबूत मांग व आधारभूत संरचना गतिविधियों में तेजी से यह वृद्धि संभव है। इक्रा की एवीपी और क्षेत्र प्रमुख (कॉरपोरेट रेटिंग्स) अनुपमा रेड्डी ने कहा कि शुद्ध बिक्री प्राप्तियों में पांच प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले परिचालन मार्जिन चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में प्रति टन 10 प्रतिशत घटकर 1124 रु रह गया है। उन्होंने बताया कि ऐसा कच्चे माल, बिजली और ईंधन, ढुलाई की कीमतों में उछाल के कारण हुआ है।

रुपया गिरकर 76.32 पर

मुंबई। भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच कच्चे तेल में तेजी व आयातकों की मासांत की डॉलर में मांग से विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को रुपया 14 पैसे गिर कर 76.32 बंद हुआ। आरंभ में 76.08 पर खुला था इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला सूचकांक 0.14 प्रतिशत बढ़कर 98.63 के स्तर पर पहुंच गया।

सोना-चांदी की वैश्विक कीमतों में बढ़त जारी

इंदौर। रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध के चलते विश्वव्यापी तनाव के बीच सोना-चांदी की वैश्विक कीमतों में बढ़त का सिलसिला बुधवार को भी जारी था। कॉमेक्स पर सोना ऊंचे में 1935.9, नीचे में 1917.4 डॉलर एवं चांदी ऊंचे में 2525, नीचे में 2474 सेंट प्रति औंस के दायरे में ऊंची चल रही थी। **इंदौर सराफा-** सीमित सौदों के बीच सोना केश में टंच 51650, कैडबरी 51550, आरटीजीएस सोना 53000 रु प्रति 10 ग्राम, चांदी केश में टंच 67400 चौरसा 67300, आरटीजीएस 69400 रु किलो थी। **रतलाम-** आरटीजीएस सोना 52850 प्रति 10 ग्राम व चांदी 68400 रु थी।

वैश्विक सराफा

विवरण	सोना	चांदी
ऊंचे में	1935.90	25.25
नीचे में	1917.40	24.74
रनिंग में	1932.30	25.07

नारियल, बादाम, जीरा में मजबूती

इंदौर। थोक किराना बाजार में वैवाहिक खरीदी का इंतजार चल रहा है। बादाम के दाम 20-25 रु किलो ऊंचे बताए गए। जीरा उत्पादन में कमी और स्टॉकिस्टों व निर्यातकों की मांग से भाव में तेजी रही। कालीमिर्च के दाम में लगातार मंदी का असर देखा जा रहा है। शकर के दाम पूर्व स्तर पर सामान्य थे। नारियल में रिटेल वालों की मांग बढ़ने से भाव में तेजी दर्ज हुई।

शकर 3500-3525, सुपर 3535-3550, एम 3625-3650, गुड़ भैली 2850-2900, कटोरा 3100-3200, लड्डू 3250-3350, बरफी 4000, कालीमिर्च कालामोती 531 ,दीपक 545, गणेश 564, मटरदाना 579, जीरा पंजा 243 खुशबू 245 सुपर 250-260, हल्दी सांगली 167-168, निजामाबाद 110-130, नारियल प्रति बोरी 120 भर्ती 1600-1650, 160 भर्ती 1650-1700, 200 भर्ती 1850-1900, 250 भर्ती 2050-2100, खोपरा गोला 200-220, खोपराबूरा 15 किलो 2400-4400, साबूदाना 4350-4700, वरलक्ष्मी 5050, ग्लास 5550, वरलक्ष्मी 1 किलो पैक 5750, सौंफ 150-210, हल्की 121-135, लौंग 675-750, दालचीनी 285-295, जायफल 750-850, जावत्री 1950-2100, बडी

इलायची 725-850, तरबूज मगज 260-270, चारोली 1050-1200, इलायची एक्स्ट्रा बोल्ड 1800-1850, बोल्ड 1650-1700 मध्यम 1550-1600, मिनी 1400-1500, पानपट्टी 1300-1400, पोस्ता 1500-1800, काजू (240) 770-790, (320) 690-705, डब्ल्यू वन (300) 670-680, एस एस डब्ल्यू 630-650, जेएच 620-630, टुकड़ी 600-650, बादाम इनडिपेंटेड 550-565, अमेरिकी 585-605, आस्ट्रेलियन 610-625, टांच 500-540, किशमिश 375-550, इंडियन 180-230, मखाना 450-825, पिस्ता 1450-1550, नमकीन 850-950 रु। **आटा-मैदा** (50 किलो) आटा 1360-1380, मैदा 1400-1410, रवा 1440-1450, बेसन 3325-3375 रु।

संक्षिप्त समाचार

सिंधु स्विस ओपन बैडमिंटन के तीसरे दौर में पहुंची

बासेल । भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। सिंधु ने पहले दौर में डेनमार्क की लाइन होमार्क केजेर्सफेल्ट को सीधे गेम में हराया। सिंधु ने अपने पहले दौर के मैच में 21-14, 21-12 से जीत हासिल की। सिंधु का सामना अब दूसरे दौर में चीन की नेस्लीहान यिगित से होगा। वहीं भारत की ही अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की महिला युगल जोड़ी भी जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गयी है। भारतीय जोड़ी ने एलाइन मुलर और जेनजीरा स्टैडेलमैन की स्थानीय जोड़ी को सीधे गेम में 21-15, 21-16 से हराया। वहीं भारत के ही एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की पुरुष युगल जोड़ी को पहले दौर में इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद रियान अर्डियांतो की युगल जोड़ी के हाथों 19-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा।

डुप्लेसिस लंबे समय तक नहीं संभाल सकते आरसीबी की कप्तानी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का कहना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में दक्षिण अफ्रीका के फाफ डुप्लेसिस को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) का कप्तान बनाया गया है पर 37 साल के डुप्लेसिस लंबे समय तक यह जिम्मेदारी नहीं संभाल सकते। इसलिए हो सकता है कि अगले सत्र में एक बार फिर कप्तानी की जिम्मेदारी विराट को मिल सकती है। विराट ने आईपीएल के पिछले सत्र में ही घोषणा कर दी थी कि वह अगले बार से कप्तान नहीं रहेंगे। ऐसे में उनकी जगह डुप्लेसिस को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी थी। आरसीबी अब तक एक बार भी यह खिताब जीतने में सफल नहीं रही है जबकि टीम के पास कई स्टार खिलाड़ी रहे हैं पर इसके बाद भी उसके खिताब नहीं जीतने पर सवाल उठते रहे हैं। डु प्लेसिस पहले सीएसके में थे पर इस बार उन्हें आरसीबी ने सात करोड़ रुपये में खरीदा है। इस सलामी बल्लेबाज की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीकी टीम का प्रदर्शन शानदार रहा है। ऐसे में उनसे काफी उम्मीदें जुड़ी हैं। वहीं अश्विन के अनुसार डु प्लेसिस बैंगलोर की टीम के लिए अच्छे कप्तान तो हो सकते हैं पर वह अपने करियर के अंतिम चरण में होने के कारण लंबे समय तक यह जिम्मेदारी नहीं संभाल सकते। आरसीबी का उन्हें कप्तानी सौंपने का फैसला सही है क्योंकि इस खिलाड़ी के पास अच्छा खास अनुभव है।

पाक टीम के प्रदर्शन से खुश हैं गेंदबाजी कोच टेट

लाहौर । पाकिस्तान के गेंदबाजी कोच शॉन टैट अभी तक अपनी टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज टैट अभी एक साल और पाक के साथ ही रहेंगे। टेट ने कहा है कि अब तक पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों के साथ काम करने का अनुभव अच्छा रहा है। साथ ही कहा कि तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी एक शीर्ष स्तर के गेंदबाज है जिनसे काफी कुछ सीखा जा सकता है। टैट ने अब तकऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में टीम के प्रदर्शन को ठीक बताया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में टीम के प्रदर्शन को ठीक बताया है। उन्होंने कहा, एक गेंदबाजी समूह के रूप में, हमने पांच विकेट लिए और रन गति पर भी अंकुश रखा। शाहीन एक बेहतरीन गेंदबाज हैं और बहुत सारे सवाल पूछते हैं। अब तक, मैंने उसके साथ अपने समय का आनंद लिया है और इस दौरान मैंने भी उससे बहुत कुछ सीखा है। वह अपनी उम्र के हिसाब से बहुत परिपक्व और कुशल हैं। उसने पारंपरिक और रिवर्स स्विंग दोनों तरह की गेंदबाजी में महारथ हासिल कर ली है। टेट को पिछले महीने ही पाक गेंदबाजी कोच बनाया गया था। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम 24 साल बाद पाक दौरे पर है। दोनो ही टीमों के बीच अभी टेस्ट सीरीज चल रही है जिसके पहले दो मैच ड्रॉ रहे हैं। पहले दो टेस्ट मैचों के दौरान पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों ने बल्लेबाजों के अनुकूल, धीमी सतहों पर केवल आठ विकेट लिए।

राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा जारी रखें युवा खिलाड़ी : स्टिमक

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने बहरीन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले रोशन सिंह की प्रशंसा करते हुए कहा कि युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिये प्रतिस्पर्धा जारी रखनी चाहिए। बहरीन ने बुधवार की रात को खेला गया यह मैच 2-1 से जीता। भारत ने पहले हॉफ में गोल गंवाने के बाद दूसरे हॉफ में बराबरी कर ली थी लेकिन बहरीन आखिरी क्षणों में निर्णायक गोल करने में सफल रहा। स्टिमक ने मैच के बाद कहा कि मैं युवा रोशन सिंह के प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। उसने दिखाया कि वह न केवल इंडियन सुपर लीग में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भविष्य का भारतीय स्टार है। अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे रोशन की मदद से ही राहुल भेके ने 59वें मिनट में भारत की तरफ से बराबरी को गोल किया था। भेके का यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला गोल था। कोच ने कहा कि यह अनुभव हासिल करने के लिहाज से सभी लड़कों के लिए अच्छा दिन था। उन सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया और उन्हें राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह के लिए प्रतिस्पर्धा जारी रखनी चाहिए। भारत अपने अगले अंतरराष्ट्रीय मैच में 26 मार्च को बेलारूस से भिड़ेगा। मैच के पहले हॉफ में बहरीन को पेनल्टी मिली थी लेकिन कप्तान और गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने अपनी बायीं तरफ डाइव लगाकर उसे बचा दिया था। गुरप्रीत ने कहा कि मैंने कोच की तरफ देखा और उन्होंने मुझे बायीं ओर इशारा किया। मैं भाग्यशाली था कि मैंने उसे बचा दिया। गुरप्रीत ने कहा कि मैंने कोच की तरफ देखा और उन्होंने मुझे बायीं ओर इशारा किया। मैं भाग्यशाली था कि मैंने उसे बचा दिया। यह हमारे लिए महत्वपूर्ण मैच था और इससे हमें कई सीख मिली। इस बात को ध्यान में रखते हुए कि हमारे पास तैयारी के लिए बहुत कम समय था।

आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप : इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 9 विकेट से हराया

क्राइस्टचर्च ।

कैथरीन ब्रंट और सोफी एक्लेस्टोन की शानदार गेंदबाजी के बाद डेनिएल व्याट के शानदार अर्धशतक 76 रनों की सहायता से इंग्लैंड ने आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप क्रिकेट मुकाबले में पाकिस्तान को आसानी से 9 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बनी हुई हैं पर पाक टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। इस मैच में टॉस जीतकर इंग्लैंड ने पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। पाकिस्तान की टीम इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना नहीं कर पायी और 41.3 ओवरों में ही 105 रन बनाकर आउट हो गयी। सबसे अधिक 32 रन सिदरा अमीन ने बनाये।

वहीं अन्य बल्लेबाज असफल रहीं। इंग्लैंड की ओर से कैथरीन ने 17 रन देकर तीन जबकि सोफी ने भी 18 रन देकर तीन खिलाड़ियों को आउट किया। इसके बाद जीत के लिए मिले 106 रनों के लक्ष्य को इंग्लैंड ने अनुभवी बल्लेबाज व्याट की पारी से 19.2 ओवरों में ही एक विकेट पर 107 रन बना कर हासिल कर लिया। इंग्लैंड ने अनुभवी बल्लेबाज व्याट की पारी से 19.2 ओवरों में ही एक विकेट पर 107 रन बना कर हासिल कर लिया। इंग्लैंड ने अनुभवी बल्लेबाज व्याट की पारी से 19.2 ओवरों में ही एक विकेट पर 107 रन बना कर हासिल कर लिया। व्याट ने 11 चौकों की मदद से 68 गेंदों पर 76 रन बनाये , वहीं कप्तान हीथर नाइट ने 24 रनों का योगदान दिया। इस बड़ी जीत के साथ इंग्लैंड की टीम दो अंक हासिल कर अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गयी है। उसके छह मैचों में तीन जीत और तीन हार के साथ ही छह अंक हो गये हैं। दूसरी ओर पाक टीम छह दूसरी ओर पाक टीम छह में से पांच मैच हारने के कारण दो अंकों के साथ सबसे निचले क्रम पर है।

आईपीएल के शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे कमिंस और फिंच

मुम्बई ।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम के तेज गेंदबाज पैट कमिंस और बल्लेबाज एरॉन फिंच आईपीएल के शुरुआती मुकाबलों में नहीं खेलेंगे। यह दोनो ही इस दौरान अपनी राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलेंगे। केकेआर के मेंटर डेविड हसी ने माना है कि इन दोनो खिलाड़ियों के शुरुआती पांच मैचों में नहीं खेलने से टीम को करारा झटका लगा है पर साथ ही कहा कि अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी टीम की ओर से खेलना सबसे अहम है। कोलकाता ने आईपीएल 2022 की मेगा नीलामी में कमिंस को 7.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। वहीं फिंच को इंग्लैंड के बल्लेबाज एलेक्स हेल्स के विकल्प के तौर पर टीम में रखा गया था। हसी ने कहा, ' इन दोनों खिलाड़ियों के नहीं रहने से हमारी मुश्किलें बढ़ेंगी क्योंकि हर टीम अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ उतरना चाहती है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बड़ा कुछ नहीं होना चाहिए। हर खिलाड़ी अपने देश के लिए क्रिकेट खेलना चाहता है, इसलिए उनकी कुछ जिम्मेदारियां भी होती हैं। मुझे लगता है कि कमिंस और फिंच शुरुआती पांच मैचों में नहीं रहेंगे पर जैसे ही वे आएंगे, खेलने के लिए पूरी तरह तैयार रहेंगे।' इस समय ऑस्ट्रेलियाई टीम पाकिस्तान दौरे पर टेस्ट सीरीज खेल रही है। इसके बाद दोनो ही टीमों को एकदिवसीय सीरीज के साथ ही एक टी20 मैच खेलना है। कमिंस जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम के मुख्य तेज गेंदबाज होने के साथ ही टेस्ट कप्तान भी हैं ।

आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्वकप : दक्षिण अफ्रीका टीम सेमीफाइनल में पहुंची

वेलिंगटन ।

दक्षिण अफ्रीका की टीम आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप क्रिकेट मुकाबले के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। दक्षिण अफ्रीकी टीम आसानी से सेमीफाइनल में पहुंच गयी क्योंकि वेस्टइंडीज के खिलाफ लीग चरण का मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया। इस मैच के रद्द होने से दोनो ही टीमों को बराबर एक-एक अंक मिले जिससे दक्षिण अफ्रीका के छह मैचों में नौ अंक हो गए हैं और वह ऑस्ट्रेलिया के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली दूसरी टीम बन गई है। वहीं वेस्टइंडीज की टीम लीग चरण के मैच समाप्त होने के साथ ही सात मैचों में सात अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। इस मैच में केवल 10.5 ओवर का खेल हो पाया। दक्षिण अफ्रीकी महिला टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 61 रन बनाए। तभी बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। इसके बाद आगे खेल नहीं हो पाया। वेस्टइंडीज ने इस मैच में टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। उसकी ओर से चिनेली हेनरी ने 19 रन देकर तीन जबकि शमिलिया कोनेल ने 18 रन देकर एक विकेट लिया। इसके बाद आगे खेल नहीं हो पाया। वेस्टइंडीज ने इस मैच में टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। उसकी ओर से चिनेली हेनरी ने 19 रन देकर तीन जबकि शमिलिया कोनेल ने 18 रन देकर एक विकेट लिया। इसके बाद मिगनोन डु प्रीज ने नाबाद 38 रन बनाये जबकि मारिजान कैप पांच रन बनाकर नाबाद रहीं। लगातार बारिश होने के कारण मैच आगे नहीं हो पाया।

तस्कीन अहमद को आईपीएल ना खेल पाने का मलाल, बांग्लादेश के कप्तान ने किया खुलासा

सेंचुरियन । बांग्लादेश ने दक्षिण अफ्रीका को उसके घर में पटखनी दे दी है। अफ्रीकी सरज़मीं पर बांग्लादेश ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला को 2-1 से अपने नाम कर लिया जो कि साउथ अफ्रीका में बांग्लादेश की पहली सीरीज़ जीत भी है। बांग्लादेश की इस ऐतिहासिक जीत में सबसे अहम योगदान तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद का रहा। जिन्होंने निर्णायक मुकाबले में पांच विकेट लेकर अफ्रीकी टीम को महज़ 154 रन के स्कोर पर रोक दिया । तस्कीन के इस प्रदर्शन पर टीम के कप्तान तमीम इक़बाल ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि तस्कीन को आईपीएल में न खेल पाने का मलाल ज़रूर था लेकिन उन्होंने लीग में खेलने के बनिस्बत अपने देश का प्रतिनिधित्व करने को अधिक तरजीह दी। तमीम ने कहा कि आईपीएल के क़रार को ठुकराना निश्चित तौर पर तस्कीन के लिये बड़ा फैसला था लेकिन दक्षिण अफ्रीका में सीरीज़ जीतना उससे बड़ी उपलब्धि है। तमीम ने कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करना सबसे प्रेरक होता है। आईपीएल में न खेलने का निर्णय लेना तस्कीन के लिये काफ़ी कठिन था। वह युवा हैं और इस अवसर को गंवाना नहीं चाहते थे। लेकिन तस्कीन इसको लेकर काफ़ी खुश हैं कि वह अपने देश के लिए काफी अच्छा कर रहे हैं। कि यही उनका आईपीएल है, वास्तव में यह आईपीएल से भी बड़ा है। तस्कीन ने उनके कथन पर अपनी सहमति प्रदान की। प्रेजेंटेशन समारोह में जब तस्कीन को दोनों ट्रॉफी मिली तब उन्होंने उनसे कहा कि यही उनका आईपीएल है, वास्तव में यह आईपीएल से भी बड़ा है। तस्कीन ने उनके कथन पर अपनी सहमति प्रदान की। प्रेजेंटेशन समारोह में जब तस्कीन को दोनों ट्रॉफी मिली तब उन्होंने उनसे कहा कि यही उनका आईपीएल है, वास्तव में यह आईपीएल से भी बड़ा है। तस्कीन ने उनके कथन पर अपनी सहमति प्रदान की। दरअसल तस्कीन को लखनऊ सुपरजायंट्स ने मार्क वुड के रिप्लेसमेंट के तौर पर अपने साथ जुड़ने का ऑफर दिया था। जिसे बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और तस्कीन दोनों ने ही ठुकरा दिया।

राहुल चाहर ने पंजाब किंग्स के कप्तान मयंक अग्रवाल को बताया फोकस्ड लीडर

स्पोर्ट्स डेस्क ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 से पहले पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के लेग स्पिनर राहुल चाहर ने कप्तान मयंक अग्रवाल की प्रशंसा की और उन्हें एक ऐसा नेता कहा जो हमेशा केंद्रित रहता है। राहुल जो पहले मुंबई इंडियंस के साथ थे को पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2022 की मेगा नीलामी के दौरान 5.25 करोड़ रुपए में खरीदा था। राहुल ने कहा कि मयंक एक महान खिलाड़ी है क्योंकि पहले भारत ए और वह अब भारत के लिए भी अच्छा कर रहा है। वह पिछले 3-4 वर्षों से पंजाब किंग्स का अभिन्न अंग रहा है और इतने रन बना रहा है। जब से हमने साथ में अभ्यास करना शुरू किया है, मैंने देखा है कि वह एक महान नेता हैं, जो हमेशा हर चीज पर ध्यान केंद्रित करते हैं। आईपीएल के ग्रुप सिस्टम के नए प्रारूप के बारे में बोलते हुए जो पहले 2011 में था, इस स्पिनर ने कहा कि उन्हें इस बात से कोई चिंता नहीं है कि वह किस टीम का सामना कर रहे हैं। स्पिनर ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैं नए प्रारूप के नियमों के बारे में नहीं सोच रहा हूं क्योंकि मुझे इस बात की चिंता नहीं है कि मैं किसका सामना कर रहा हूं। यह सिर्फ इतना है कि हमारा ध्यान हर मैच में प्रदर्शन करने और जीतने पर है। राहुल ने आगे आईपीएल के आगामी संस्करण में नई टीम में शामिल होने पर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैं नए सीजन के लिए वास्तव में उत्साहित हूं, विशेष रूप से नए रंगों के लिए मैं उत्साहित हूं। मैंने अभी-अभी शादी की है और वास्तव में एक अच्छे सीजन की प्रतीक्षा कर रहा हूं। नया सीजन सभी के लिए एक नई शुरुआत की तरह है। हमारे अंदर बहुत सकारात्मकता है, अभी शिविर लगा रहे हैं और हम प्रतिदिन ऐसी सकारात्मक मानसिकता के ऐसी सकारात्मक मानसिकता के साथ अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस बार हमने जो संयोजन बनाया है, वह वास्तव में हमारे लिए मददगार होगा। वर्तमान में, नेस वाडिया सर भी हमारे बुलबुले में हैं और वह हमें बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। गौर हो कि आईपीएल 2022 की शुरुआत शनिवार से कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच पहले मुकाबले में होगी। पंजाब किंग्स रविवार को अपने शुरुआती मैच में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से भिड़ेगी।

प्रणव ने विश्व पैरा एथलेटिक्स में स्वर्ण जीता

दुबई । भारतीय फर्राटा धावक प्रणव प्रशांत देसाई ने दुबई 2022 विश्व पैरा एथलेटिक्स मुकाबले में स्वर्ण पदक जीता है। प्रणव ने पुरुषों की 200 मीटर टी 64 फाइनल में यह स्वर्ण जीता। भारत का दिन भर में यह एकमात्र पदक रहा है। इस चैंपियनशिप में प्रणव ने अंत तक अपना प्रभाव बनाये रखते हुए 24.42 सेकंड में ही जीत दर्ज कर ली। वहीं थाईलैंड को दूसरा और नॉर्वे को तीसरा स्थान मिला है। प्रणव ने अपनी जीत पर उत्साहित होते हुए कहा , मैं यहां स्वर्ण जीतने के लक्ष्य के साथ आया था। मुझे खुशी है कि मैंने शुरुआत से लेकर अंत तक अपना दबदबा बनाये रखा। मैं पिछले कुछ महीनों से अपनी गति स्पीड पर काम कर रहा था और मुझे अपनी योजना के सफल रहने पर खुशी हुई है। मेरा लक्ष्य पैरा एशियाई खेलों में 100 और 200 मीटर में स्वर्ण पदक जीतकर 2024 के पैरा ओलम्पिक के लिए प्रवेश हासिल करना है।

धोनी ने सीएसके की कप्तानी छोड़ी , जडेजा बने नये कप्तान

चेन्नई ।

महेन्द्र सिंह धोनी ने आईपीएल के 15 वें सत्र से ठीक पहले चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम की कप्तानी छोड़कर एक बार फिर सबको हैरान किया है। धोनी के इस्तीफे के बाद सीएसके ने ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा को टीम का नय कप्तान बनाया है। सीएसके ने अपने एक बयान में कहा है कि जडेजा सीएसके का नेतृत्व करेंगे। जडेजा साल 2012 से ही सीएसके में शामिल रहे हैं और वह सीएसके की कप्तानी करने वाले तीसरे खिलाड़ी होंगे। वहीं धोनी इस सत्र के अलावा आगे भी टीम के साथ बने रहेंगे। साल 2008 में लीग बनने के बाद से ही सीएसके की कप्तानी कर रहे धोनी का यह अंतिम सत्र भी हो सकता है क्योंकि उन्होंने अंतराष्ट्रीय क्रिकेट को पहले ही अलविदा कह दिया था। धोनी की कप्तानी में सीएसके ने चार बार 2010, 2011, 2018 और 2021 में आईपीएल का खिताब जीता है और सबसे ज्यादा खिताब जीतने के मामले में वह मुंबई इंडियंस के बाद दूसरे नंबर पर है। मुंबई ने पांच बार खिताब जीता है आईपीएल में धोनी सुपर किंग्स की पहचान रहे हैं। इस टीम को धोनी ने चार बार खिताब जिताया है। 2020 में खराब आइपीएल में खराब प्रदर्शन के कारण टीम और धोनी को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था पर साल 2021 में सुपरकिंग ने शानदार वापसी करते हुए खिताब जीता था आईपीएल 2022 से पहले धोनी के इस फैसले से सबको हैरानी हुई है। वहीं पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने पहले ही कहा था कि धोनी की जगह जडेजा सीएसके की कप्तानी संभाल सकते हैं जो सही निकला। उन्होंने जडेजा की तारीफ करते हुए कहा था कि पिछले कुछ वर्षों में एक खिलाड़ी के जडेजा जिस प्रकार से परिपक्व हुए हैं, जिस तरह से वह अपने खेल के संबंध में समायोजन कर रहे हैं और जिस तरह से वह मैच के हालातों के अनुसार खेलते हैं वह बिल्कुल शानदार है। ऐसे में अगर मैं होता तो जडेजा को कप्तानी बना देता। सीएसके को आईपीएल का अपना पहला मुकाबला शनिवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलना है।

चेन्नई सुपर किंग्स की टीम

महेन्द्र सिंह धोनी, मोईन अली, रुतुराज गायकवाड़, रवींद्र जडेजा, अंबाती रायुडू, ड्वेन ब्रावो, रॉबिन उथप्पा, दीपक चाहर, केएम आसिफ, तुषार देशपांडे, शिवम दुबे, महेश थीक्षाना, राजवर्धन हैंगरगेकर, सिमरजीत सिंह, डेवोन कॉनवे। ड्वेन प्रिटोरियस, मिशेल सेंटनर, एडम मिल्ने, सुभ्रांशु सेनापति, मुकेश चौधरी, प्रशांत सोलंकी, सी हरि निशांत। एन जगदीसन, क्रिस जॉर्डन और के भगत वर्मा।

मोईन को वीजा मिला , दूसरा मैच खेलेंगे : विश्वनाथन

नई दिल्ली । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सीईओ कासी विश्वनाथन ने कहा है कि ऑलराउंडर मोईन अली को भारत का वीजा मिल गया है और वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दूसरे मैच में खेलेंगे। मोइन को हालांकि भारत पहुंचने के बाद अपनी टीम से जुड़ने से पहले तीन दिन तक के लिए पृथकवास में रहना होगा और इस कारण वह कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ शनिवार को होने वाले पहले मैच में नहीं खेलेंगे। विश्वनाथन ने कहा, 'मोईन को वीजा मिल गया है और वह मुंबई पहुंचने के बाद तीन दिन का पृथकवास पूरा कर दूसरे मैच में खेलेंगे। गौरतलब है कि मोइन को पाक मूल का होने के कारण देर से वीजा मिला है। मोइन को पाक मूल का होने के कारण देर से वीजा मिला है। मोईन के दादा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से इंग्लैंड चले गए थे लेकिन मोईन का जन्म इंग्लैंड में हुआ है और वह आमतौर पर भारत आते रहते हैं। आईपीएल के 15 वें सत्र का पहला मैच शनिवार को वानखेड़े स्टेडियम में सीएसके और पिछले साल की उप-विजेता केकेआर के बीच होगा। वहीं सीएसके को अपना दूसरा मैच 31 मार्च को लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलना है। मोईन को पिछले सत्र में अच्छे प्रदर्शन के कारण ही सीएसके ने कप्तानी धोनी और तीन अन्य खिलाड़ियों के साथ इस बार भी बरकरार रखा है।

सुप्रीम कोर्ट ने परमबीर सिंह के खिलाफ सभी मामले सीबीआई को हस्तांतरित किए

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के बीच कानूनी लड़ाई को 'बैटल रॉयल' करार देते हुए गुरुवार को सिंह के खिलाफ महाराष्ट्र पुलिस की ओर से दर्ज सभी मामलों की सीबीआई जांच का आदेश दिया।

इस बात पर जोर देते हुए कि मामले की निष्पक्ष जांच की आवश्यकता है, अदालत ने स्पष्ट किया कि वह सिंह के निलंबन को रद्द नहीं कर रहा है। इसने कहा कि साथ ही, अगर भविष्य में सिंह के खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज की जाती है, तो उन्हें भी सीबीआई को स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस एम. एम. सुंदरेश की पीठ ने कहा कि सीबीआई को मामले के सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच करनी चाहिए और जांच करनी चाहिए कि प्राथमिकी में लगे आरोपों में कोई सच्चाई है या नहीं। इसने महाराष्ट्र पुलिस को एक सप्ताह के भीतर मामलों को सौंपने का निर्देश दिया, जिसमें 5 प्राथमिकी और दो पीई शामिल हैं। इसके साथ ही इसने पुलिस को आदेश दिया कि वह सिंह के खिलाफ मामलों की जांच में केंद्रीय एजेंसी की सभी प्रकार से सहायता प्रदान करें।

अदालत ने नोट किया, 'हम यह नहीं कह रहे हैं कि अपीलकर्ता एक व्हिसलब्लोअर है या इस मामले में शामिल कोई भी दूध का धुला है।'

पीठ ने इस बात पर भी जोर दिया कि इसका उद्देश्य पुलिस में लोगों का विश्वास जगाना और हासिल करना है और यह महाराष्ट्र पुलिस का प्रतिबिंब नहीं है।

पीठ ने कहा, 'उच्च स्तर पर उत्पन्न होने वाली परेशान करने वाली स्थिति हमारे सामने प्रस्तुत की गई है।' महाराष्ट्र सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता डेरियस खंबाटा ने जोरदार तर्क दिया कि मामलों को सीबीआई को स्थानांतरित नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि यह राज्य पुलिस के लिए बहुत ही मनोबल गिराने वाला होगा।

सुनवाई के दौरान, पीठ ने कहा, 'तत्कालीन गृह मंत्री और तत्कालीन पुलिस आयुक्त के बीच 'बैटल रॉयल' से अस्पष्ट मंथन ने इन दुर्भाग्यपूर्ण कार्यवाही को जन्म दिया है, जिस पर हम पहले भी टिप्पणी कर चुके हैं।'

सिंह का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता पुनीत बाली ने प्रस्तुत किया कि सीबीआई को उनके मुवक्किल के खिलाफ दर्ज सभी मामलों की जांच करनी चाहिए, न कि उस राज्य पुलिस को, जिस पर उनका विश्वास नहीं है, भले ही वह उसी का नेतृत्व कर रहे हों।

पीठ पिछले साल सितंबर में बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सिंह की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें गृह मंत्रालय द्वारा कथित तौर पर सेवा नियमों और भ्रष्टाचार के आरोपों का उल्लंघन करने के लिए दो जांच के आदेश को चुनौती देने वाली उनकी याचिका को खारिज कर दिया गया था।

5 साल में बनी नींव पर अब बुलंद इमारत, अमित शाह ने बताया योगी सरकार का टारगेट

लखनऊ, 24 मार्च (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी गठबंधन के चुने गए 273 विधायकों ने योगी आदित्यनाथ को विधायक दल का नेता चुनकर अगले मुख्यमंत्री के तौर पर उनके नाम पर मुहर लगा दी है। पर्यवेक्षक के तौर पर इस बैठक में मौजूद रहे गृहमंत्री और बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष अमित शाह ने योगी की नई सरकार का रोडमैप भी पेश किया। उन्होंने कहा कि पिछले 5 साल में जो नींव रखी गई है उस पर अब एक बुलंद इमारत बनानी है। यूपी को अब उसका खोया गौरव दिलाना है, जल्द से जल्द यूपी को नंबर एक की अर्थव्यवस्था बनाना है। उन्होंने इस दौरान परिवारवाद, जातिवाद और प्रशासन के राजनीतिकरण का आरोप लगाते हुए समाजवादी पार्टी पर निशाना भी साधा।

शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विकास की नींव डालने का काम जो 5 साल में हुआ है, आगे के 5 साल यूपी को खोए हुए गौरव को वापस दिलाने का है और यूपी को नंबर एक बनाने का है। यहीं से शुरू होती है बदलाव की यात्रा। यहीं से शुरू होती है विकास की यात्रा। यहीं से शुरू होती है नींव पर समृद्धि की बुलंद इमारत बनाने की यात्रा। गरीब और युवाओं के और छोटी बच्चियों की आशाओं को पूरा करने की यात्रा। इसे सभी विधायकों को योगी जी के नेतृत्व में पूरा करना है।

अमित शाह ने कहा, ''आज हम सब के लिए आनंद का विषय है कि यूपी विधानसभा का नया इतिहास लिखने का क्षण हो रहा है। 35 सालों से कभी भी एक पार्टी को दूसरी बार पूर्ण बहुमत नहीं मिला है। भाजपा अकेली पार्टी है जिसने दोनों बार दो तिहाई समर्थन हासिल किया। यूपी की स्थापना से अब तक कोई भी मुख्यमंत्री अपने शासन के आधार पर फिर से एक बार जनादेश लेकर मुख्यमंत्री नहीं बन पाया। हमारे लिए आनंद का विषय है कि योगी जी को दूसरी बार जनता ने चुना है।''

अमित शाह ने भाजपा से पहले यूपी में सरकार चालने वाली सपा और बसपा जैसे पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि यूपी में जातिवादी और परिवारवादी नासूर ने जनता की आशा को खत्म कर दिया था। उन्होंने कहा, ''यूपी कई सालों से राजनीतिक अस्थिरता का केंद्र रहा। आजादी के शुरुआत समय के बाद यहां मूल्यों का क्षरण हुआ और राजनतीकि विचारधारा भी क्षरण हुआ। जातिवादी पार्टियां पनपती गईं। इस वजह से राजनीतिक अस्थिरता का माहौल 2014 तक चला।'' भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ने 2014, 2017 और 2019 में मिली जीत का भी जिक्र किया और बताया कि कैसे 2014 लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा के कार्यकर्ताओं को विश्वास हुआ कि उनकी पार्टी यूपी में 300 पार जा सकती है।

अमित शाह ने कहा कि 2017 से पहले यूपी की सरकारों ने योजनाओं को जमीन पर नहीं पहुंचने दिया। जातिवाद के कारण योजनाएं लोगों तक नहीं पहुंची। भ्रष्टाचार और प्रशासन के राजनीतिकरण के कारण योजनाएं जमीन पर नहीं पहुंचीं।

शाह ने कहा कि 2017 में जब योगी ने सत्ता संभाली तो उनके सामने ढेर सारी चुनौतियां थीं, बिखरा अर्थतंत्र था, छिन्न-भिन्न प्रशासनिक ढांचा था। पूरे प्रशासन का राजनीतिकरण हो चुका था, राजनीति का अपराधीकरण हो गया था, कानून-व्यवस्था का कोई तौर तरीका नहीं था।

उद्योगपति लखनऊ आने को तैयार नहीं थे। गरीबों की लोकतंत्र के अंदर श्रद्धा नहीं बची थी। जातिवाद ने उनकी आशा को खत्म कर दिया था, परिवारवाद के नासूर ने आशा को खत्म कर दिया था।

द कश्मीर फाइल्स को यूट्यूब पर करें अपलोड, टैक्स फ्री पर बोले केजरीवाल

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेन्सी)। दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र में गुरुवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 'द कश्मीर फाइल्स' को टैक्स फ्री करने पर भाजपा शासित सरकारों पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि फिल्म निर्देशक विवेक अग्निहोत्री को कहकर भाजपा वाले द कश्मीर फाइल्स को यूट्यूब पर अपलोड कर दो। केजरीवाल ने आगे कहा कि कुछ लोगों ने कश्मीरी पंडितों के नाम पर करोड़ों कमाए हैं और आपको सिर्फ पोस्टर लगाने का काम दिया गया है।

गुरुवार को दिल्ली विधानसभा में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 'द कश्मीर फाइल्स' को टैक्स फ्री करने पर भाजपा शासित सरकारों को निशाने पर लिया। उन्होंने राज्य विधानसभा में कहा, 'भाजपा को विवेक अग्निहोत्री से इसे यूट्यूब पर अपलोड करने के लिए कहना चाहिए तब हर कोई इसे मुफ्त में देखेगा।'

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' की रिलीज के बाद कुछ लोग कश्मीरी पंडितों के नाम पर करोड़ों पैसे कमा रहे हैं। दिल्ली विधानसभा में बोलते हुए, केजरीवाल ने कहा, 'कुछ लोग कश्मीर पंडितों के नाम पर करोड़ों रुपये कमा रहे हैं और उन्होंने भाजपा को पोस्टर चिपकाने का काम दिया है। विवेक अग्निहोत्री ने करोड़ों रुपये कमाए।

गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले बीजेपी विधायकों ने विधानसभा सत्र को बाधित किया और द कश्मीर फाइल्स फिल्म को टैक्स फ्री करने की मांग की। अभी तक इस फिल्म को बिहार, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, गुजरात, त्रिपुरा, गोवा और उत्तराखंड सहित कई राज्यों में टैक्स-फ्री किया जा चुका है।

कश्मीरी पंडितों के नरसंहार के 32 साल बाद सुप्रीम कोर्ट से न्याय की गुहार, यासीन-बिट्टा कराटे पर केस चलाने की मांग

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेन्सी)। कश्मीरी पंडितों के नरसंहार के 32 साल बाद एक बार फिर से सुप्रीम कोर्ट में न्याय की गुहार लगाई है। कश्मीरी पंडितों के एक संगठन ने 1989-90 के दौरान कश्मीरी पंडितों की कथित सामूहिक हत्याओं और नरसंहार की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) या राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जांच कराने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक क्यूरेटिव पिटिशन दायर की है।

यह याचिका रूट्स इन कश्मीर नामक संगठन ने दायर की है। कश्मीरी पंडितों के इस संगठन ने टॉप कोर्ट से फिर से मामले की जांच की गुहार लगाई है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने कश्मीरी पंडितों की मौत के मामले में दाखिल अर्जी 2017 में खारिज कर दी थी। उस समय कोर्ट ने कहा था कि मामले में 27 साल बाद सबूत नहीं हैं।

हाल ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स के बाद से एक बार फिर से कश्मीरी पंडितों को न्याय दिलाने की चौतरफा मांग हो रही है।

इसी क्रम में रूट्स इन कश्मीर द्वारा दायर याचिका में कहा गया है, 'मामले में देरी के आधार पर केस खारिज किया जाना गलत है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया है कि मामले को दोबारा खोला जाए और देरी के आधार पर अर्जी खारिज किया जाना मुख्य आधार है और यह आधार गलत है। इसे कानून के नजर में दोषपूर्ण कहा गया है।'

संगठन की ओर से एक बयान में कहा गया है कि क्यूरेटिव पिटीशन के समर्थन में वरिष्ठ अधिवक्ता और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास सिंह द्वारा एक प्रमाण पत्र जारी किया गया है। क्यूरेटिव याचिका में सिख विरोधी दंगों के मामले में सज्जन कुमार पर 2018 के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश का भी हवाला दिया गया, जहां अपील की अनुमति देते हुए कहा गया: 'उन अनगिनत पीड़ितों को धैर्यपूर्वक इंतजार करना आश्वस्त करना महत्वपूर्ण है कि चुनौतियों के बावजूद सच्चाई की जीत होगी और न्याय होगा...'

याचिका में कहा गया है: 'वर्ष 1989-90, 1997 और 1998 में कश्मीरी पंडितों के खिलाफ सभी प्राथमिकी/हत्या और अन्य संबद्ध अपराधों के मामलों की जांच किसी अन्य स्वतंत्र जांच एजेंसी जैसे सीबीआई या एनआईए या इस न्यायालय द्वारा नियुक्त किसी अन्य एजेंसी को स्थानांतरित करना चाहिए, क्योंकि अब तक जम्मू-कश्मीर पुलिस उनके पास लंबित सैकड़ों प्राथमिकी में कोई प्रगति करने में बुरी तरह विफल रही है।'

याचिका में 1989-90, 1997 और 1998 के दौरान कश्मीरी पंडितों की हत्याओं की सैकड़ों प्राथमिकी के लिए यासीन मलिक और फारूक अहमद दार उर्फ बिट्टा कराटे, जावेद नालका और अन्य के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग की गई, और जिनके खिलाफ 26 साल बाद भी जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा जांच नहीं की गई।

याचिका में शीर्ष अदालत से 25 जनवरी, 1990 की सुबह भारतीय वायु सेना के 4 अधिकारियों की कथित भीषण हत्या के लिए यासीन मलिक के मुकदमे और अभियोजन को पूरा करने का निर्देश जारी करने का आग्रह किया गया, जो वर्तमान में सीबीआई अदालत के समक्ष लंबित है।

कोरोना से होने वाली मौत के झूठे दावों की होगी जांच, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को दी इजाज़त

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को कोरोना से होने वाली मौत के मुआवजें के झूठे दावों की जांच करने की अनुमति दे दी है। अब आंध्र प्रदेश, गुजरात, केरल और महाराष्ट्र में पांच प्रतिशत दावों की जांच की जाएगी। दरअसल इन राज्यों में कोरोना से होने वाली मौतों के आधिकारिक आंकड़े और क्लेम में अंतर सामने आया है।

कोर्ट ने कोरोना से होने वाली मौत का मुआवजा पाने के लिए दावा करने की समय सीमा भी तय कर दी है। 28 मार्च तक मुआवजे का दावा किया जा सकता है। इसके अलावा अगर आगे किसी की कोरोना से मौत होती है तो वह 90 दिनों के भीतर क्लेम कर सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि केंद्र सरकार पांच राज्यों में पांच फीसदी दावों की जांच कर सकती है। केंद्र उन्हीं मामलों की जांच करे जिसपर ज्यादा संदेह हो। बता दें कि केंद्र ने कोरोना से होने वाली मौतों के लिए 50 हजार रुपये का मुआवजा देना स्वीकार किया है। 14 मार्च को हुई सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा था कि अगर इस राहत का दुरुपयोग हो रहा है तो सीएजी द्वारा इसकी जांच होनी चाहिए।

पिछले साल 4 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि स्टेट डिजास्टर फंड से सभी राज्यों को कोरोना से होने वाली मौतों के लिए 50 हजार रुपये का मुआवजा देना होगा। कोर्ट ने यह भी कहा था कि कोई भी राज्य मुआवजे से इनकार नहीं कर सकता चाहे सर्टिफिकेट पर मौत कोरोना की वजह लिखी हो या नहीं।

महामारी की शुरुआत से अब तक कोरोना से 5.16 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। यह स्वास्थ्य मंत्रालय का आधिकारिक आंकड़ा है। गुजरात, आंध्र प्रदेशष माहाराष्ट्र और केरल में ही 2.36 लाख लोगों की जान कोरोना की वजह से चली गई।

पंजाब के सीएम मान ने पीएम मोदी से की मुलाकात, मांगा एक लाख करोड़ का पैकेज

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेन्सी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर राज्य की खराब वित्तीय हालत का हवाला देते हुए अगले 2 वर्षों के लिए एक लाख करोड़ रुपये के विशेष पैकेज की मांग की है।

संसद भवन परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए भगवंत मान ने कहा कि पंजाब की वित्तीय स्थिति बहुत ही खराब है। राज्य पर तीन लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्जा है। आम आदमी पार्टी को सत्ता में आए हुए एक सप्ताह ही हुआ है। हम कोशिश कर रहे हैं कि माफिया और खजाने की लूट को रोक कर भरपाई की जाए, लेकिन पंजाब को मदद की जरूरत है।

मान ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री से एक लाख करोड़ रुपये के विशेष पैकेज की मांग की है। उन्होंने इसके बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि राज्य सरकार ने केंद्र से अगले दो वर्षों तक हर वर्ष 50 हजार करोड़ रुपये का पैकेज देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इन 2 वर्षों में पंजाब अपने खजाने और वित्तीय स्थिति को संभाल लेगा और पंजाब फिर से अपने पांव पर खड़ा हो जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वित्त मंत्री से बात कर पंजाब को दोबारा रंगला पंजाब बनाने में मदद करेंगे।

मान ने पंजाब की खराब हालत के लिए पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी वजह से आज पंजाब की इतनी बुरी हालत हो गई है, जिसे कभी देश का नग माना जाता था।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने उन्हें चुनाव जीतने और मुख्यमंत्री बनने की बधाई दी और यह आश्वासन भी दिया कि मिल कर देश को आगे बढ़ाना है, पंजाब का विकास करना है। मान ने दावा किया कि पंजाब को दोबारा देश का नंबर वन राज्य बनाएंगे।

मान ने राष्ट्रीय सुरक्षा और पंजाब की सुरक्षा के लिए भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भारत सरकार का सहयोग मांगा। जिसके जवाब में प्रधानमंत्री ने उन्हें देश की सुरक्षा के संबंध में लाए गए हर प्रस्ताव का समर्थन करने का आश्वासन दिया।

बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र को बढ़ाए जाने को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री से मुलाकात के दौरान वो इस पर चर्चा करेंगे।

ममता के भतीजे अभिषेक पर ईडी का शिकंजा, पूछताछ के लिए फिर किया तलब

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेन्सी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी को पश्चिम बंगाल में एक कथित कोयला घोटाले से संबंधित धन शोधन मामले में 29 मार्च को पेश होने के लिए तलब किया है। अभिषेक पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे भी हैं।

ईडी के अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल में कथित कोयला घोटाला से संबंधित धन शोषण के मामले में अभिषेक बनर्जी को एक बार फिर कार्यालय में पेश होने के लिए तलब किया है। इससे पहले अभिषेक सोमवार को दिल्ली में केंद्रीय एजेंसी के सामने पेश हुए थे। तब ईडी अधिकारियों ने अभिषेक बनर्जी से करीब आठ घंटे तक पूछताछ की थी। बनर्जी सुबह करीब 11 बजे मध्य दिल्ली में जांच एजेंसी के नए कार्यालय में दाखिल हुए और रात आठ बजे से कुछ पहले निकल गए थे।

अधिकारियों का कहना है कि अभिषेक का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया गया था और जांचकर्ताओं द्वारा एकत्र किए गए कुछ 'सबूत' के साथ उनका सामना कराया गया था। जबकि ईडी कार्यालय से बाहर निकलते समय, सांसद ने कहा कि वह 'कानून का पालन करने वाले नागरिक हैं और इसलिए उन्होंने जांच में सहयोग किया है'।

हिजाब मामले पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार, कहा, 'मामले को सनसनीखेज न बनाएं'

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेन्सी)। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए कोई विशेष तारीख देने से इनकार कर दिया, जिसमें कक्षाओं में हिजाब पहनने की अनुमति के लिए निर्देश देने वाली सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था।

वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत ने एक याचिकाकर्ता, एक मुस्लिम छात्रा की ओर से एक मामले का उल्लेख किया और मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने की मांग की। कामत ने जोर देकर कहा कि परीक्षाएं नजदीक आ रही हैं और उन्होंने मामले पर तत्काल सुनवाई के लिए अदालत से आग्रह किया।

प्रधान न्यायाधीश एन.वी. रमण की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इसका परीक्षा से कोई लेना-देना नहीं है। मुख्य न्यायाधीश ने कामत से कहा कि मामले को सनसनीखेज न बनाएं।

कामत ने दलील दी कि छात्राओं को स्कूलों में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है और उनका एक साल बर्बाद हो जाएगा।

16 मार्च को भी सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें कहा गया था कि मुस्लिम महिलाओं द्वारा हिजाब पहनना इस्लामी आस्था में आवश्यक धार्मिक अभ्यास का हिस्सा नहीं है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्टो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com